# एक कैदी

... यहां पर, फिर से प्रभु यीशु के नाम में, और महान और सामर्थी कामों को सुनना, जिसे आपने इससे पहले किये है। और हम अब यहां पर प्रतीक्षा के साथ खड़े हुए हैं हमारे विश्वास को बढाये और हमें अभिषेक करे ताकि हम विश्वास करें कि जो कुछ आज रात के लिए मांगा गया है वह प्रदान किया जाएगा। आप उनमें से हर एक को जानते हैं, उन्होंने जो सारी विनीतियों को किया है। और हम उनके लिए विशेष करके प्रार्थना करते हैं, प्रभु, जो मृत्यु के बहुत ही करीब है। उनके प्राणों के लिए शांति को लाये, यदि ये वहां पर नहीं है तो। उनके शरीर को चंगाई दीजिये। इसे प्रदान करें, प्रभु।

2 हमारे एक साथ एकत्र होने को आशीष करें। हम—हम प्रार्थना करते हैं, प्रभु, आज बुधवार रात की सभा को जैसे हम एकत्र हुए हैं, यह जानते हुए कि जहां कहीं भी दो या उससे अधिक एक साथ इकट्ठा होते हैं, आप हमारे साथ होंगे। और हम आपसे मांगते है, प्रभु, आज रात के लिए हमें वचन देना। हमसे बाते करे, प्रभु, हमारे हृदय को असाधारण रूप से उत्तेजीत करे, कि हम जान जाये कि उस महान घड़ी के लिए कैसे तैयार होना है, जो हमारे सामने रखी हुई है, जैसे हम विश्वास करते हैं, हम प्रभु के आगमन के नजदीक है।

3 हम आपको उन लोगों के लिए धन्यवाद देते हैं अब वे उनके प्रिय जनो के लिए विश्वास को पाना आरंभ कर रहे है और जानते है कि विश्वास का क्या अर्थ होता है। और यह जानकर आपको धन्यवाद भी दे रहे है, जो अब आगे होने वाली सभाये हैं, वे यह विश्वास कर रहे है कि आप कुछ तो करने जा रहे हैं। प्रभु, हम पहले के दिनों के जैसे प्रतीक्षा के साथ रुके हुए हैं, विश्वास करते हुए कि समय नजदीक है जब आप बस स्वर्ग के दरवाजों को खोलकर और प्रतिज्ञाओ को उंडेलेंगे, जिसे परमेश्वर ने इस अंतिम दिन के लिए की है।

4 अब प्रभु हम, उन सारे लोगो के लिए, हमारे राष्ट्रों के इर्द–गिर्द, जैसे आज हम यहाँ–वहां हर कही से सुनते है, वे जो आवश्यकता में है उनके लिए आपसे मांगते हैं। उन्हें उनकी विनितियों को प्रदान करें, प्रभु। और

हम प्रार्थना करते हैं, उस महान परमेश्वर के हाथों को सारे संसार के ऊपर मंडराते हुए देखे, उनके मध्य जो इस महान बातो के लिए देख रहे हैं।

5 हमारे पाप के लिए हमें क्षमा करें। हमें आपकी आत्मा और आपके वचन के द्वारा पवित्र करें, प्रभु जिससे कि हम अपने आपको तैयार कर सके, आज्ञाकारी सेवक बने, प्रभु की इच्छा में आज्ञाकारी सेवक बन सके। आओ हम याद करे, और हमारे हृदय में सोचने का प्रयास करें, जो पहले के मसीह लोगों ने किया हैं। हमें किस प्रकार के लोगों से मिलना है, यदि हम उन लोगो से मिलते है, जो व्यक्तिगत रूप से आपके साथ संपर्क में आये थे। कैसे उनके चेहरे विश्वास और आनंद से चमकते है। अवश्य ही उनका किस तरह से प्रभु के वचन के लिए जीना रहा होगा, बिल्कुल वैसे ही, "जैसे सारे मनुष्य के द्वारा पढ़ी जाने वाली लिखित पत्रियाँ," जब वे चलते और उन लोगों के बीच में रहते थे। परमेश्वर इसे एक बार फिर से प्रदान करें।

6 होने पाए हमारे जीवन आपको पूरी तरह से समर्पित हो, जिससे कि वह पवित्र आत्मा स्वयं हम में से होकर जीये, हम में से होकर बोले, प्रभु। होने पाये हम अपने मनों में याद करते हैं, जब हम उस रास्तों पर चलते हैं, संसार के लोगो से टकराव करते हैं, हमें उनके जैसे नहीं होना चाहिए। और प्रभु, हमें किनारे होकर उन्हें स्थान को देना है, यहाँ धरती पर जो उनका उचित दर्जा है। हम पीछे की जगह ले लेंगे, ये जानकर कि हम किसी और जगत के प्रतिनिधि हैं। हमारे पास एक राज्य है जो सामर्थ के अंदर आ रहा है, प्रभु। और हमारा राजा बहुत ही जल्द पहुँच रहा है, और जो सारे राज्यों पर कब्ज़ा करेगा, जो उसके अधिकार में है। और वह फिर से शासन और राज्य करेगा; उसके साथ इस धरती पर हजारों वर्ष तक और वे उसके साथ हमेशा के लिए होंगे।

7 प्रभु, इस बात को विचार करते हुए, अब हम आगे हमारी प्रार्थनाओं के उत्तर की ओर देख रहे हैं। हम हमारे अंगीकार की ओर देख रहे हैं। यदि हमने कुछ गलत किया है, कुछ गलत कहा है, या कुछ गलत सोचा है, जो आपकी महान इच्छा के विपरीत था, प्रभु यीशु मसीह का लहू हमें साफ करे।

8 हमारी अगुवाई करे, प्रभु जैसे आज रात बहन ने कहा, उसके और उसके पति के बारे में, वे शिकागो के मार्ग पर होगे। उनकी अगुवाई करे,

प्रभु परमेश्वर, उस स्थान की ओर, जिससे कि आप उन्हें इस्तेमाल कर सके, जिससे कि वे दूसरे लोगों के लिए उजियाले की किरण बन सके, जो अंधकार में ढूंढ रहे हैं, जो हमारे प्रभु यीशु को नहीं जानते हैं। अब हम इस सभा को आपको समर्पित करते हैं, और आपके सुधार के वचन को सुनते हुए, जिससे कि हम जान सके हमें इस महान घडी के लिए कैसे तैयार होना है, यीशु मसीह के नाम में हम इसे मांगते हैं। आमीन।

[टेप खाली स्थान। भाई नेविल कुछ समालोचना को करते हैं।—सम्पा।]

प्रभु आपको आशीष दे। धन्यवाद, भाई।

9 मैं इसके लिए जरा भी अपेक्षा में नहीं था। मैं घर पर ही था, मैंने ऐसा महसूस किया, यदि मुझे सचमुच में कहीं पर भी आपातकालीन स्थिति में जाना पड़ता है, मैं घर पर ही बैठा रहूँगा तो मुझे बहुत ही बुरा लगता है और प्रार्थना के सभा पर नहीं आने पर। और मैं एक तरह से आने वाला नहीं था, अपने लिए अपेक्षा में नहीं था, यहां तक मेरे परिवार के लिए भी अपेक्षा में नहीं था। मैं तब उठकर और निकल आया। और तो मैंने कहा, "मैं प्रार्थना सभा में वहां पर जा रहा हूं।" और उसके पास समय भी नहीं था कि वह तैयार होकर आये, इसलिए कि वह नहीं जानती थी मैं यहाँ पर आ रहा हूं।

10 तो मैं वहां बहन की गवाही को सुनकर बहुत ही खुश हूं और भाई की, जो कही तो दक्षिण करोलीना या उत्तर करोलीना के विषय में थी। क्या ये ग्रीनविल की थी? [एक बहन कहती है, "नही, दक्षिणी पाइंस की थी।"—सम्पा।] दक्षिणी पाइंस, जी हां।

11 भाई ली व्हेल आज यही पर थे। मैंने आज यहाँ उन्हें बपतिस्मा की सभा में बपतिस्मा दिया है, जो यहां पर बपतिस्मा की सभा हुई थी। भाई ली व्हेल आप उन्हें जानते हैं और वहां पर जो सेवक हैं, भाई पार्कर थॉमस। वहां पर वे एक...

12 मैं उस समय को—को याद करता हूं, एक बहन के ऊपर परछायी आयी थी। यह एक बड़ा प्रमाण था, बहन, जो कि... पवित्र आत्मा कभी–कभी आगे जाकर और हमारे विश्वास को परखता है, यह देखने के लिए... और दूसरों के विश्वास को परखता है। जब आप सीधे–सीधे किसी चीज को देखने के रुके होते हैं या और कुछ तो देखते है और इसे बताते हैं; और

दुसरे लोग भी इसे देखते है और वो इसे नहीं देखते हैं और वे कहते हैं कि वो चीज वहां पर नहीं है। देखा? लेकिन यह वहां पर है।

13 अब वहां पर कोई एक भी नहीं था जो उस उजियाले को देख सकता, जो पौलुस के ऊपर मंडरा रहा था, लेकिन यह वहां पर था। खुद यूहन्ना को छोड़ किसी एक ने भी पंडुक को नीचे आते हुए नहीं देखा, उस रूप में, और यीशु के ऊपर रुका हुआ था। लेकिन यह वहां पर था। देखा?

14 और इसीलिए, फिर, कुछ समय के बाद मैं लोगों से इस उजियाले के बारे में बता रहा था, जो एक अग्नि के खंभे के जैसे वहां पर था, किसी एक ने भी इसे विश्वास नहीं करना चाहा। लेकिन कैमरे की यांत्रिकी की आंखों ने उसे पहचान लिया, कैसे वो वहां पर आ गया था।

और वो दुष्ट आत्मा बहुत काली थी।

15 यह बिल्कुल हमारे जीवन के जैसा होता है, हम परछायीयां है। और हम... यदि हम एक उजियाला है, जहाँ पर यदि हमारा जीवन उस दिन के उजियाले को पूरा करता है, तो हम उजियाले में चल रहे हैं।

16 यह तो बस इस तरह से है, जैसे कि आप बाहर देख कर और कहते हैं, "मैं सूरज को देखता हूं," उस दोपहर के समय पर। आप—आप सूरज की परछायी को देखते हैं। ये सूरज का एक प्रतिबिंब है। ये खुद सूरज नहीं है, लेकिन यह साबित करता है कि वहां पर एक सूरज है। यह साबित करता है कि वहां पर एक सूरज है।

17 और अब, जब मैं देखता हूं, जैसे वहां पर आप बैठे हुए है, पंखे को घुमा रहे हैं, बात कर रहे हैं, इसका मतलब यह है कि आप जीवित है, लेकिन यह तो केवल जीवन की एक छाया है।

18 क्योंकि किसी भी चीज के वहां पर होने के लिए इसमें एक अंधकार होना है, ताकि एक परछायी को बनाये। समझे? क्योंकि, एक छाया को बहुत ही अधिक अंधकार और बहुत ही अधिक उजियाले को धारण करना होता है, ताकि एक परछायी को बनाये। और यह साथ मिलकर अंधकारमय नहीं हो सकते हैं, और साथ मिलकर प्रकाशमान नहीं हो सकते हैं। यदि ये एक अंधकार है तो ये वास्तव में अंधकार है। यदि ये उजियाला है, तो वहां पर कोई भी छाया नहीं है, छाया बनाने के लिए वहां कुछ भी नहीं है। लेकिन यदि ये अंधकार और उजियाले को एक साथ मिलाते है, तो यह एक छाया को बनाता है।

19 इसलिए हम वास्तव में उस उजियाले की परछाईयां है। अब आप एक जीवन को प्रतिबिम्ब कर रहे हैं, जो कहीं पर तो हैं। यदि आप है, और एक मसीही है, यह एक छाया होनी है, यह तो केवल यही साबित करता है कि वहां पर एक जीवन है, जहां आप कभी नहीं मर सकते हैं, क्योंकि इस जीवन में मृत्यु है। समझे? लेकिन यह एक छाया है, क्योंकि यह आप जी रहे हैं, एक चलती– फिरती सृष्टी, जिसके अंदर क्षमता है, देखने की, सोचने की, चलने–फिरने की, बात करने की, और ये शरीर की पांच चेतनाये हैं। लेकिन फिर भी, आप जानते हैं, वे, वे मर रहे हैं। और वहां पर बहुत सारी तकलीफे है। आप जानते हैं, यह केवल हो सकती है... यह एक प्रतिबिंब है, देखो, जिसमें जीवन और मृत्यु एक साथ मिले हुए हैं।

20 शरीर को मरना होता है। लेकिन यदि आप अपने मरणहार जीवन के द्वारा प्रतिबिंब कर रहे है, उस स्वर्ग का उजियाले को, तब आप अनंत जीवन को प्रतिबिंब कर रहे हैं, जो परमेश्वर का है। फिर जब आप मरते हैं, अब आप बाद में उजियाले के पास अब नहीं जा सकते हैं, क्योंकि इसे तो आपने प्रतिबिंब किया है।

21 यदि आप अंधेरे संसार के हैं, तो आप उसे प्रतिबिंब करेंगे, और आप उसे कर सकते हैं, अंधकार में जाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है। समझे? इसलिए हम एक प्रतिबिंब में हैं। तो, हम देखते हैं कि जितना निश्चित रूप से पवित्र आत्मा, जीवन और उजियाले को प्रतिबिंब करता है, वैसे ही मृत्यु अंधकार को प्रतिबिंब करती है।

22 और यहां पर दोनों ही है। कल... सप्ताह के अंत में, हो सकता है रविवार तक, हम इस छोटी तस्वीर को एक बडे आकार में करेंगे, जिससे कि हम इसे सुचनापट पर लगा सके।

23 जहां पर *आपके* लिए वो तस्वीरे लगी होती है, जो वहां सुचनापट पर होती है। मैं नहीं जानता आपने इसे ध्यान दिया है, या नहीं। और फिर...

और लगभग एक सप्ताह पहले... जमाइका में—में, जहां पर मैं मशीनरी के काम से गया था... हम टेपों को संसार भर में भेजते हैं। और *सात मोहरों* को वापस इसमें लाया गया... बहुत दूर जमाइका के टापू के अन्दर वापस भेजा गया, वहां तटवर्ती में। और वहां ये टापू बहुत ही प्राचीन ब्लू माउंटेन के पीछे है, और उनके पास एक टेप रिकॉर्डर है जो हमने उन्हें दिया है। और वहां के रहने वालो के पास किसी समय का टेप रिकॉर्डर है, पहले

आपके पास पुराना सुई रखकर घुमाने का रिकॉर्डर होता था, जिस पर सुई रखकर इस तरह से चलाते है। बाद में, हर थोड़े मिनटों में इस पर सुई को वापस रखना होता था।

24 इस झुंड के पास एक—एक छोटी सी छ: वोल्ट का बैटरी है, या ऐसे ही कुछ, जो टेप रिकॉर्डर को चलाती है। और वे—वे सब एक साथ बैठ हुए थे, जो यहाँ पर उस रात का विषय था, उन *मोहरों* को सुन रहे था, मैं सोचता हूं ऐसा ही था। और जिस समय टेप पर मैं बोल रहा था, उन्होंने कमरे में आते हुए ध्यान दिया, वही अग्नि का स्तंभ वहां पर आ गया और जहां पर टेप रिकॉर्डर था, वहां पर चला गया और इसके ऊपर जाकर ठहर गया। और उन्होंने जाकर एक कैमरे को लिया और इसकी तस्वीर को खींचा। और ये वहां पर बिल्कुल वैसा ही एक था, जो ठीक इसके ऊपर मंडरा रहा था। अब इस तस्वीर को हम बड़ा कर रहे है, जिसे बाहर वहां सुचनापट पर लगा देंगे, जिससे कि आप इसे देख सकते हैं।

25 हम परमेश्वर के महान अनुग्रह के लिए आभारी है जिसे वो हमारे लिए लेकर आया है... जिसने हमें इस दिन में, उसकी उपस्थित के अन्दर लेकर आया है। तो अब हम बहुत सी बातों के लिए आभारी हैं।

26 अब मैं सोचता हूं मैं यहां पर देखूंगा और देखूंगा यदि मुझे कुछ तो लिखा हुआ मिल जाता है, या कुछ तो और जिस पर मैंने बोला है। या हमें किसी तरह का एक—एक... मेरे पास यहां पर कुछ तो लिखा हुआ है, जो कुछ भी हो, यहाँ इस एक किताब के पीछे है। यदि मुझे कुछ तो मिल सकता है, हो सकता है, प्रभु मुझे किसी बात पर कुछ तो कहने के लिए दे दे, और जब हम प्रार्थना करते हैं।

अब, रविवार के लिए हम अपेक्षा के अंदर हैं।

27 मैं संदेशों में बोलते आ रहा हूँ। और मैंने रविवार को आप लोगों को बहुत समय तक यहां पर रोके रखा, इस सन्देश पर "तू मेरे निमित क्यों रोता है? लोगों के लिए बोल और आगे बढ़।"

28 अब, रविवार को चंगाई की सभा है, जहां पर बीमारो के लिए प्रार्थना की जानी है। अब, आप बीमारों को लेकर आते हैं और उस बीमारी के होने का कोई कारण होगा, जब हम उनके लिए प्रार्थना करते हैं यदि वे चंगाई को नहीं पाते हैं। और मैं चाहता हूं, यदि परमेश्वर की इच्छा हुई तो रविवार सुबह को छोटी सभा भी होगी। तो इसलिए मैं एक चंगाई की सभा को करने

जा रहा हूं, और सारे लोगों के लिए प्रार्थना करूंगा। और बिली पॉल और उनमें से कुछ लोग रविवार की सुबह यहां पर होंगे, लगभग आठ बजे, जब कलीसिया खुलती है, ताकि लोगों को कार्ड बांटे जाए, जब वे इस दरवाजे पर आते हैं या जैसे–जैसे वे अन्दर आते हैं।

29 और, अब, बाद में, मैं कोशिश करना चाहता हूं, मैं विश्वास करता हूं प्रभु ने मुझे एक प्रकार से उन कारणों पर मुझे कुछ परख को दिया है कि क्यों कुछ लोग चंगे नहीं हो पाते हैं। और मैं—मैं सोचता हूं ये उनकी ना समझने के कमी की वजह से है। और मैं—मैं सोचता हूँ, हो सकता है, प्रभु की इच्छा हुई तो रविवार की सुबह को हम इस पर बोलेंगे।

30 अब, बुधवार रात की सभा एक छोटी सी सभा होगी, जहां पर हम एकत्र होकर और प्रार्थना करेंगे, जैसे हम एक साथ संगती करते हैं।

31 कभी–कभी, मैं—मैं सोचता हूं बड़ी बातों में से एक, जिसे मैं इस दिन में देखता हूँ, कि जो हम विश्वास करते हैं उसके प्रति हममें ईमानदारी की कमी है। समझे? समझे? यदि परमेश्वर, जॉन वेस्ली के दिनों में किया होता जो उसने के इस दिन में किया है, मार्टिन लूथर के दिनों में, या जो कोई भी है? जैसे हम उसे जो करते हुए देख रहे हैं, दोनों कलीसिया के द्वारा साबित हुए हैं, आत्मा के द्वारा, और विज्ञान के द्वारा, और हर एक कार्य के द्वारा, इसके—इसके—इसके हर एक बूंद को जानना है। और परमेश्वर का वचन यहाँ इसे घोषित कर रहा है और इसे बता रहा है, इससे पहले कि यह पूरा हो। और बाद में इस पर कार्य करते है, और भविष्यवाणी करते है और उसी बात को दिखाते है, जो उसने कहा है, ये सिद्ध रूप से पूरा होगा, बिल्कुल वैसे ही जैसे उसने कहा है। और फिर भी हम ऐसे ही सुस्त की तरह बैठे रहते है, जब यदि हम सोचते हैं, "तो ठीक है, मैं सोचता हूं इसका मेरे लिए क्या अर्थ हो सकता है? सोचता हूं कलीसिया का मेरे लिए पूरी तरह से क्या महत्व हो सकता है? या—या सोचता हूं कि क्या मैं सचमुच इसमें सम्मलित हूँ? " मैं सोचता हूं रविवार सुबह को मैं उन कुछ सिद्धांतों के बारे में बात करने की कोशिश करूंगा, जो हमारे लिए कुछ खुलासा कर सकता है।

32 अब आज रात, मुझे कुछ तो मिला है, यहाँ के लिए निकलते वक्त, इससे पहले मैं आऊं। मैंने सोचा, "क्या हो, यदि भाई नेवील, यदि मैं यहां पर आऊं, वह बोलता है कि, 'मंच पर जाकर और बोले,' और वो बस

नीचे बैठ जाता है? " समझे? मैंने सोचा, "अच्छा होगा कि मैं कुछ वचनों को लिख लूं।" क्योंकि मैं जानता हूं, वो, वो बहुत ही अच्छा भाई है, और हम—हम उसकी सराहना करते हैं।

33 इससे पहले वचन के लिए प्रार्थना करें, मैं एक—एक भाई की पहचान देना चाहता हूं, मैं उन दो लोगो का इस समय पर नाम भी नहीं ले सकता हूं। और वे दोनो भाई यहां पर है, जो मेरे मित्र है। वे... वे सेवक और सुसमाचारक है, जो बाहर विभिन्न स्थानों में प्रचार करने जाते हैं। उन्होंने टेप के द्वारा इन संदेशों को सुना। वे दो नौजवान पुरुष विभिन्न संस्थापक कलीसियाओ से बाहर आये हैं। और उनमें से एक बहुत ही, एक ने बहुत ही दिलचस्पी दिखाई, इतना तक की वो अभी हाल ही में हवाई जहाज से एक सभा को खत्म करके वहां टुसान में आया। मैं सोचता हूं मैं बिसनेसमेन नाश्ते की सभा में था। और वो जवान पुरुष, जो की बहुत ही अच्छा नौजवान भाई है वहां पर आया था। और वह...

34 वे केंसास से है। और वे इतना दूर से हमारे पास आए है, ताकि बहनों से विवाह करे। मैं इसकी सराहना करता हूं। यह सोचकर कि वे लोग आपकी प्रार्थनाओं पर बहुत अधिक विश्वास करते हैं, विश्वास करते हैं कि परमेश्वर उनकी सुनेगा और उत्तर देगा; वे जवान लोग इस तरह से अपने जीवन का आरंभ कर रहे हैं। और जब वे हमारे पास कल आये, उनसे विवाह करने के लिए, वे (विवाह के लिए) इंडिआना राज्य के कानून की आवश्यकताओ को जानने के लिए आये है, यदि उनके लहू की जांच भी होती हैं, तो उन्हें यहां पर तीन दिनों तक इस राज्य में रुकना पड़ता है, इससे पहले उनका विवाह हो सके। इसलिए उनका विवाह शुक्रवार सुबह तक नहीं हो सकता है।

35 और मैं वहां हमारे भाई से पूछूंगा जो वहां पीछे बैठे है, यदि वो खड़े होकर और हमें बताता है कि वो कौन है, और उसकी वो प्यारी सी छोटी महिला कौन है, और उसके साथ का भाई कौन है।

36 [भाई कहता है, "धन्यवाद भाई ब्रन्हम, यहां पर होने के लिए मेरा सौभाग्य है। और मैं भाई रोजर ओ नील हूं, जो केंसास में रहता हूं, एक सुसमाचारक की नाई, जगह–जगह जाता हूं, और बताता हूं कि, 'यीशु मसीह उद्धारकर्ता है, चंगाई देता है, उस में विश्वास करने के द्वारा... ? ... ' मैं हमेशा ही तैयार रहता हूं... ? ... और यह मेरी मंगेतर है, पेटरिका ब्राउन,

और हम शुक्रवार को विवाह करने जा रहे है। और यह मेरे सह–सुसमाचारक और सह कर्मी है, भाई रोनी हंट, यहाँ अंत में बैठे है। और यह उनकी मंगेतर है, कोरल... ? ... और हम आज रात को यहां पर होने के लिए खुश है।"—सम्पा।]

37 आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। हम निश्चित रूप से इन जवान राजदूतो को देखकर शुभकामना देते है, जो प्रभु यीशु के लिए काम कर रहे हैं, परमेश्वर की आशीषे, उन्हें मार्ग पर तेजी से बढ़ाये। और जैसे मैं सोच रहा था, हम प्रभु के आगमन के लिए प्रतीक्षा कर रहे है, और इन नौजवान पुरुषों और नौजवान महिलाओं को उनके ह्रदय में मसीह के लिए सेवा करने के उदेश्य को देखते है, जो मुझे रोमांचित कर देता है, देखो, यह देखकर कि वे इस तरह से बढ़ रहे हैं। प्रभु आपको बहुतायात से आशीष दे, मेरे भाईयों और बहनो।

38 अब आइए एक छोटी किताब की ओर जायेगे, जिस पर मैंने मेरे जीवन में इससे पहले कभी नहीं बोला है। और यह बहुत ही... एक ही अध्याय है, जो कि फिलेमोन की किताब है। और यह एक...

39 मैं आयरलैंड से हूं, और मैं—मेरे नीचे के नीचे के दांतों की तरफ ओर चारो ओर तार है, जिससे कि कुछ दांतों को पीछे की ओर स्थान पर दबाये रखे। मैं, कभी–कभी, उनके इन नामों का सही उच्चारण भी नहीं कर पाता हूं, जब कि मैं जानता हूं कि वो क्या है। और कभी–कभी मैं मेरी पढ़ाई लिखाई की कमी की वजह से उन्हें सही तरीके से उच्चारण नहीं कर पाता हूं। तो "फिलेमोन" किसी ने तो वहां पीछे से कहा, जो मैं वास्तव में सोचता हूं कि इसका सही उच्चारण है।

40 अब, पहला पद, मैं इसमें से एक या दो शब्दों को लूंगा।

*पौलुस, जो यीशु मसीह का एक कैदी है...*

41 और यही है, जिसका आज रात में एक विषय की नाई इस्तेमाल करना चाहता हूं, यदि प्रभु की इच्छा हुई तो: *एक कैदी*।

42 अब आपको समझने में मुश्किल हो सकती है यह सोचकर कि वो खुद को एक कैदी बता रहा है। एक आजादी से जन्म लिया हुआ मनुष्य, जो पवित्र आत्मा से भरा हुआ है, लेकिन फिर भी वह अपने आप को "एक कैदी" करके कहता है।

43 और अब हम देखते हैं जब वह कुरुन्थियों को संबोधित कर रहा है, "पौलुस, जो एक यीशु मसीह का प्रेरित है।" अगली बार कहता है, "पौलुस, जो परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह का दास है," जब दूसरे स्थान पर वो तिमुतीस से बात करता है। अब जब वह फिलेमोन को यहाँ लिखता है, वह कहता है, "पौलुस यीशु मसीह का एक कैदी।" "पौलुस, एक प्रेरित," मैं एक रात को इस पर प्रचार करना चाहूंगा। "पौलुस एक—एक सेवक," इस पर प्रचार करूंगा। और बाद में, "पौलुस, एक कैदी।"

44 लेकिन आज रात इस पर विचार करने पर समय लगेगा, मैं इस वजह से विषयो में से आज रात को एक को लेना चाहुंगा, "पौलुस, एक कैदी," और विषय को लेना चाहता हूं: "*एक कैदी।*"

अब आइये हम अपने सिरों को कुछ क्षण के लिए झुकायेंगे।

45 प्रभु यीशु, हर एक व्यक्ति, जो शारीरिक रूप से सक्षम है, जो इस बाइबल के पन्नों को पलट सकता है, लेकिन केवल पवित्र आत्मा ही इसके उजियाले में अनुवाद कर सकता है कि इसका क्या अर्थ होना है। हम उससे मांगते हैं कि वह अब आकर और हमारी सहायता करें कि हमें समझाये ये किस बात से सम्बन्धित था, वो महान, तेजस्वी नबी, पौलुस और फिर भी वह खुद को, "एक कैदी" कहता है। होने पाये पवित्र आत्मा इसे हम पर प्रगट करें, जैसे हम उस पर रुके हुए हैं, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

46 अब मैं कल्पना कर सकता हूं, पौलुस जब उसने इस पत्री को फिलोमोन के लिए लिखा, किस तरह वो जेल में बैठा था, वहां नीचे एक काल–कोठरी में, एक—एक—एक कैदी। और वह उसके स्थान में रहकर अच्छी तरह से जान सकता था कि इस शब्द का अर्थ क्या था। वह सलाखों से—से—से घिरा हुआ था। वह—वह केवल तभी आजाद हो सकता है जब कोई तो आकर उसे आजाद करे। और वह समझ गया था कि एक कैदी होना क्या होता है। और तब, फिर से मैं सोचता हूं, उस प्रेरित का अर्थ केवल कुछ... ना ही वह वास्तव में अपनी वर्तमान परिस्थिति के बारे में बता रहा है, जो उसकी—उसकी शारीरिक दशा में होने की है, जो यहां इस जेल में बैठा हुआ है। लेकिन मैं विश्वास करता हूं कि वह उसके—उसके अस्तित्व का उल्लेख कर रहा है, उसकी—उसकी—आत्मा में, उसकी—इच्छा, जो यीशु मसीह के लिए एक कैदी होना है।

47 अब हम सब ने जन्म लिया है, हम एक चुनाव करने के लिए आजाद है, जिससे हम कोई भी निर्णय ले, जो हम चाहते हैं। परमेश्वर ऐसा उचित रूप से करता है। क्योंकि, उसे हर एक मनुष्य को उसी आधार के ऊपर रखना ही है, या तो वह गलत व्यक्ति को... उसने पहले मनुष्य को गलत आधार पर रखा था, उसने उस मनुष्य को खुले रुप से चुनाव करने पर रखा। देखा? हम भी बिल्कुल वैसे ही आज रात आदम और हवा के जैसे ही है। इसमें कोई भी फर्क नहीं है। सही और गलत हमारे सामने रखा हुआ है या इसमें से एक लेना है। जीवन और मृत्यु, हमें हमारा चुनाव करना है; इसका चुनाव करना यह आप पर निर्भर करता है। समझे?

48 इसी तरह से आदम और हवा ने किया, और, देखो, और—और उन्होंने गलत चुनाव को किया। और अब उसी के द्वारा पूरी जाति को, सारी मानव जाति को मृत्यु के अन्दर रख दिया, मृत्यु का जुर्माना।

49 और बाद में परमेश्वर मनुष्य के रूप में नीचे उतरकर आया और उस मृत्यु को ले लिया और मृत्यु के जुर्माने को भर दिया, जिससे कि जो उसके है... जो स्वतंत्र होना चाहते हैं, स्वतंत्र हो सकते हैं।

50 अब, यदि वो हमें ले लेता है, बिना उसी तरीके के, जो उसने आदम और हवा के लिए किया, केवल हमें किसी चीज़ के जरिये से ऐसे ही बाहर खींच लेता है, कहता है, "मैं तुम्हें बचा लूंगा, चाहे तुम बचना चाहो या ना चाहो," तब तो उसने आदम और हवा को गलत आधार पर रखा, आपने देखा। लेकिन हम में से हर एक जन को इस दिन के लिए मृत्यु और जीवन के बीच में चुनाव को करना है। हम इसे कर सकते हैं।

51 जैसे मैंने अभी वयक्त किया, यदि आपका उजियाला साबित करेगा तो, आपका जीवन बिल्कुल उसी तरह से साबित करेगा कि आप किस पक्ष की ओर है। मैं परवाह नहीं करता आप भले ही कहते हो कि आप किस पक्ष की ओर हैं। आप हर दिन जो करते हैं, यह साबित करता है कि आप क्या हैं। आपने पहले की कहावत को सुना होगा, "आपका जीवन ऊँचे स्वर में बोलता है, मैं आपकी गवाही को नहीं सुन सकता हूं।" समझे? आपके कार्य बहुत ही ऊँचे स्वर में बोलते हैं।

52 मैं हमेशा ही चिल्लाने और कूदने में विश्वास करता हूं। लेकिन मैं हमेशा ही कहता हूं, "जितना आप जीते है, उससे ज्यादा मत कूदो, क्योंकि संसार इस बात को देखेगा।" आपने देखा? आप को उतना ही कूदना है

जितना आप जीते हैं, इसलिए, क्योंकि कोई तो आप को देख रहा है। और अब जब...

53 लोग कलीसिया नहीं आते हैं। उनमें से वे—वे बहुत से बस नहीं आना चाहते हैं। और उनमें से कुछ नहीं आ रहे हैं, जो सच्चे लोग हैं। उन्होंने कलीसिया में बहुत ही भ्रष्ट बातों को देखा है, इतना तक कि वे इसके साथ कुछ सम्बन्ध नहीं रखना चाहते। और हम इसके लिए बहुत सी बार खुला विचार रखते आये है, आप शायद ही उन्हें जिम्मेदार ठहरा सकते हैं, देखो, क्योंकि, लोगो का बर्ताव ही इस तरह से—से होता हैं। वह खुद को मसीह कहते हैं। वे संसार के लिए बहुत बड़ी रुकावट है, वे जो स्त्री और पुरुष है जो एक मसीह होने का दावा करते हैं, और उनके दावो से अलग ही जीवन को जीते हैं। बिल्कुल सही बात है।

54 अब, क्योंकि न्याय के समय पर निराशाये आयेंगी। अब, वे जो पापी, तस्करी, जुआरी, व्यभिचारी है, वो उनके दंड बताए जाने पर निराश नहीं होंगे, "कि उसे सनातन की आग में डाल दिया जाए।" वे निराश नहीं होंगे। लेकिन जो व्यक्ति खुद को किसी प्रकार के कलीसिया के धार्मिकता के पीछे छिपाने की कोशिश करता है, उस व्यक्ति को न्याय के दिन पर निराश होना पड़ेगा। समझे? जो एक मसीह होने का दावा करता हैं और किसी और तरह के जीवन को जीता हैं। ये उसके लिए अच्छा होगा कि वो आरंभ से ही किसी और तरह का कभी दावा नहीं किया हो, और बाद में कोई अलग ही जीवन जीना आरंभ करे। क्योंकि वह हमारे लिए सबसे बड़ी ठोकर है, क्योंकि वो दावा करने वाला है वो—वो—वो कहता हैं कि वो एक मसीह है और किसी और ही प्रकार का जीवन जीता हैं।

55 हमेशा ही, आप अपने जीवन का उस बात से न्याय ना करें, कि आपके पास चिन्ह चमत्कार करने की सामर्थ है। और हमें खुद का न्याय उस बात से नहीं करना है कि हमारे पास वचन का कितना ज्ञान है। लेकिन हमेशा ही खुद का न्याय करे, कि पीछे मुड़कर देखें और जांचे कि आप किस प्रकार के फल को ला रहे है जो जीवन आप वर्तमान में जी रहे हो। समझे?

56 जैसे मैंने कुछ समय पहले एक बिजनेसमेन की सभा में प्रचार किया, जो फिनिक्स, एरिजोना में थी, यीशु का प्रतिबिंब, जो मसीह के जीवन को प्रतिबिंब करना है। मैंने कहा मैंने यहां केन्टकी में जन्म लिया था, जो की बहुत ही साधारण सा था, विशेषकर पहले जब मैं एक बालक ही था। और

इस एक बालक के पास कभी भी रहने के लिए एक—एक—एक—एक घर नहीं था, जैसे हमारे पास यहां पर है, यहां पर हमारी बहुत सी खूबसूरत महिलाये है, जो आइनों में देखती रहती है, वे आइने उनके सारे घरों में होते है, जिससे कि वे अपने बालों को ठीक से बनाये रखे और इत्यादि। लेकिन उस लड़के के पास एक छोटा सा आईना था, जो कि बस छोटा सा एक टुकड़ा ही था जो उस पेड़ पर बाहर टंगा हुआ रहता था, जहां पर वो हाथ–मुंह धोने की मेज होती थी, जहां पर उसके माता और पिता हाथ–मुंह धोते थे, और उनके बालों को बनाते और इत्यादि, उस पुराने छोटे से एक कांच के टुकड़े में देखकर जो एक पेड़ पर टंगा होता था।

57 साफ़ कहूं तो, उस तरह के घर हमारे पास हुआ करते थे। हम बच्चो में से जो कोई भी उस आईने में देखना चाहता था, हम एक बक्से को लेकर और उस हाथ–मुंह धोने की मेज पर चढ़ते थे और इस एक—एक छोटे से टुकड़े पर देखते थे, जिसे मैंने खुद कचड़े से उठाया था। जो नीचे केन्टकी में नहीं था। जो यहां ऊपर इंडियाना, युटिका पाइक में था।

58 अब इस छोटे बालक ने कभी भी अपने आप को इस तरह से नहीं देखा था। तो वो उसकी दादी से मिलने के लिए शहर में आया। और उसे... वो कमरों में घुमने लगा और दादी का जो घर था, वहां दरवाजे पर पूरा आईना था। और सो, वह छोटा सा लड़का उस—उस कमरे में यहां–वहां वह दौड़ने लगा, वो एक और लड़के को अपने सामने देख रहा था। और उस (आइने में) छोटा लड़का भी दौड़ रहा था। इसलिए उसने सोचा कि उसे कुछ मिनट के लिए रुकना चाहिए और वो उस एक छोटे लड़के को देखेगा कि वो क्या करता है। और जब वो रुक गया, वो छोटा लड़का रुक गया। जब उसने अपने सिर को पीछे की ओर घुमाया और छोटे लड़के ने उसके सिर को घुमाया। उसने अपने सिर को खुजाया, छोटे लड़के ने भी उसके सर खुजाया। अतः वो जांचने के लिए नजदीक आया। और वह पीछे की ओर मुड़ गया। और उसकी मां उसे देख रही थी और उसकी दादी उसे आश्चर्यचकित होकर देख रही थी, कहा, “क्यों, मां यह मैं ही हूं।”

59 तो मैंने कहा कि, “हम भी किसी को तो प्रतिबिंब करते हैं।” देखा? हमारा जीवन प्रतिबिंब करता है।

60 और अब, यदि हम नुह के समय में रहते थे, हम किसका पक्ष लेते थे? हम उस महान समय पर जिसमें नुह रहा था, किसका पक्ष लेते थे? हम

मूसा के दिनों में किसका पक्ष लेते थे? आप एलिय्याह के दिनों में किसका पक्ष लेते थे, वो नबी, जब सारा संसार एक—एक उस बडे आधुनिक शैली के समुदाय के भवंडर में चला गया था, आधुनिक इजाबेल की तरह, और उसने सारे प्रभु के सेवको को दुनियावी तरीके के भवंडर के अंदर डाल दिया था? और कलीसिया और वे याजक उसके सामने झुक रहे थे। क्या तुम उस प्रसिद्धी के पक्ष को लेते थे या तुम एल्लियाह के साथ खड़े होते थे?

61 अब, प्रभु यीशु के दिनों में, जब हम इस अप्रसिद्ध व्यक्ति के लिए सोचते हैं, जो संसार के द्वारा पढ़ा लिखा नहीं था, यहाँ तक उन्होंने उसे कोई भी स्कूल में कभी जाते हुए नहीं देखा था, और उसके पास कोई भी धर्म विद्यालय का अनुभव नही—नही था। और—और फिर "अवैध जन्म" के नाम पर बड़ा हुआ था। और बाद में वह एक सुसमाचार को प्रचार करते हुए ऊपर आता है, जो कि उनके द्वारा हर एक सिखायी हुई बातों के विरुद्ध था। वही... और वो सेवकों को और उनके संप्रदाय और इत्यादि को दोषी ठहरा रहा था।

62 और संप्रदायों ने एक—एक—एक बयान को व्यक्त किया, "यदि कोई भी इस कहलाने वाले नबी को सुनने के लिए भी गया, उन्हें उनके उपासनास्थल से बाहर कर दिया जाएगा," जो कि एक—एक घातक पाप था। जिसे उन्हें मानना था। केवल एक ही जरिए से आराधना कर सकते हैं, जो मेमने के लहू के नीचे था। उन्हें इस बलिदान के नीचे आना था। और—और तब उन्हें बहिष्कृत किया गया था, और क्या ही यह एक महान बात थी।

63 और इस मनुष्य को इसी तरह से नकारा गया था। और फिर भी वह पूरी तरह से वचन के अनुसार सही बैठता था, लेकिन उन्होंने उस तरह से इसे नहीं जाना। आप किसका पक्ष लेते? समझे? अब ना... जो अभी आप जीवन को जी रहे हैं, अब ये प्रतिबिंब करता है कि तब उस समय आपने क्या किया होता था, क्योंकि आप अब भी उसी आत्मा से ग्रस्त है। समझे? यदि आप अभी उनके साथ पक्ष को लेते हैं, आपने ऐसा उस वक्त किया होता था। क्योंकि वही आत्मा जो अब आप में है, वो उस वक्त उन लोगों के अंदर थी। देखा?

64 शैतान उसकी आत्मा को कभी नहीं लेता है; यह तो केवल एक मनुष्य से दूसरे मनुष्य के अंदर जाती है।

65 ना ही परमेश्वर उसकी आत्मा को कभी लेता है; यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में जाती है। समझे?

66 सो, वही आत्मा जो एल्लियाह पर था, वह एलीशा पर आ गया, वहीं आत्मा यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले पर आया, और आगे इसी तरह से।

67 पवित्र आत्मा मसीह के ऊपर था, चेलों के ऊपर आया, वहां से होते हुए, अब भी लोगों पर है। आपने देखा? परमेश्वर उसकी आत्मा को कभी नहीं लेता है।

इसलिए हम यहां पर बचे हुए हैं, ताकि एक चुनाव को करें।

68 और मैं यहां पर ऐसा नहीं देख पाता हूं, जहां पर पौलुस किसी भी चीज के प्रति शोक को प्रकट कर रहा हो, और कह रहा हो, उसे दुख है कि वह एक कैदी है। लेकिन वह खुद को संबोधित कर रहा है... मैं विश्वास करता हूं कि पौलुस, जब उसने इस पत्र को उस कलम से लिखा, उस रात को पवित्र आत्मा, उसे लिखने के लिए प्रेरित कर रहा था। जो हो सकता है ये आज रात के लिए भी हो, जिससे कि हम हमारे मूलपाठ के लिए विषय को निकाल सके, ताकि दिखाए कि पौलुस ने ऐसा क्यों किया। क्योंकि, यह वचन के अनुसार है और यह वचन के अनुसार होना अनंतता है। मैं सोचता हूं, कि वो इस गंदे पुराने से जेल में बैठा हुआ है, यहाँ पौलुस जो उसके सहकर्मियों को लिखता है, जो उसके भाई हैं, कि वह "एक यीशु मसीह का कैदी है।" इसलिए, वह उसके आसपास जो है इसे देखने के द्वारा व्यक्त कर सकता है। अब, वह जेल में था, लेकिन ये वो नहीं था, जिसके लिए वह बोल रहा था, यह—यह तो मसीह का दास था, उसके साथ एक सेवक था। वह यह बोल रहा था कि वह यीशु मसीह के वचन का एक कैदी था, क्योंकि मसीह वह वचन था।

69 और पौलुस उस के दिनों में एक बहुत बड़ा धर्म शास्त्री रहा था। उसके पास एक आकांशा थी। वह एक—वो एक—एक—एक मनुष्य था, जो प्रशिक्षित किया गया था, एक व्यक्ति, एक मनुष्य के द्वारा जिसका नाम गमलीएल था, जो उसके दिन में एक बड़ा शिक्षक रहा था, सबसे बड़े विद्यालयों में से एक जिसमें वह जाता था। उदाहरण के लिए, जैसे हम कहते हैं, विटोन, या बॉब जोंस, या कोई बड़ा मूल सिद्धांत का विद्यालय।

जिसे एक वचन के सेवक की नाई—नाई सिखाया गया था। और वो बहुत ही अच्छा पढ़ा–लिखा था, चतुर और बुद्धिमान लड़का था, जिसके पास एक बड़ी आकांशा थी, जो हो सकता है एक दिन उसके लोगो के लिए एक बड़ा याजक या महायाजक बनने की रही हो।

70 उसके पास एक आकांशा थी। और तब हम देखते हैं, कि, यह बड़ी आकांशा, जिसके लिए वो सीखते आया था, और उसने उसके लिए, अपने सारे जीवन को व्यय किया था, हो सकता है लगभग आठ या दस वर्ष की उम्र से लेकर, लगभग तीस या पैतीस वर्ष की उम्र तक, जब उसने महाविद्यालय की पढाई–लिखाई को पूरा किया और उस उपाधि को हासील किया; और वो उसके सारे उपाधिपत्र और सारी चीजो के साथ था, और पूरी अच्छी तरह से याजकपद के लिए खड़ा था, यहाँ तक येरूशलम का वह महायाजक भी था। और उसके पास उसके लिए आज्ञा थी, वो लिखीत व्यक्तिगत आज्ञा थी, और जो उस भरोसेमंद शाऊल से थी, "वहां दश्मिक में जाकर उन्हें ढूंढो और जो परमेश्वर के आराधना करते है जो परमेश्वर ने कहा है, उसके विरुद्ध है, और उन्हें बांधकर और उन्हें जेल के अंदर डाल दो।" उसके पास आज्ञा थी कि आवश्यकता पड़े, तो वह उन्हें मृत्यु भी दे सकता है, यदि वो चाहे तो। वह... उसके पास एक बड़ी आकांशा थी।

71 और अब वो सब जिसके लिए उसने प्रशिक्षण किया था, परमेश्वर ने उस में से उस सब को निकाल दिया था। समझे? और जो उसका उद्देश्य था, और जिसके लिए उसके पिता ने पैसों को लगाया था, और उसके माता और पिता की आकांशाये थी, वो सब कुछ उससे निकाल दी गयी थी क्योंकि उस—उस परमेश्वर के पास कुछ और ही बात थी। इसीलिए वो उसके जीवन उद्देश्यो से जिसका वो एक कैदी था, और वो यीशु मसीह का एक कैदी बन गया था, जो कि वचन था।

72 उस दश्मिक के रास्ते पर पौलुस बदल गया था। वहां नीचे की ओर जा रहा था, लगभग ग्यारह बजे की बात है, शायद दोपहर का समय था, और वह नीचे जख्मी पड़ा हुआ था। और उसने एक आवाज को कहते हुए सुना, "शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?" और उसने ऊपर देखा। और ऊपर देखते हुए, एक यहूदी के होने कारण, और वह जानता था कि वो अग्नि का स्तंभ वो प्रभु था जिसने इस्राएल के बच्चों की अगुवाई की थी, इसलिए वह जानता था, ये वही है।

73 याद रखना, वे इब्रानी किसी को भी कभी "प्रभु" कहकर नहीं बुलाते हैं, जो कि इंग्लिश के बड़े अक्षरों में हैं L–o–r–d जब तक कि वह उससे संतुष्ट नहीं हो जाते थे कि यह वही है, क्योंकि वह धर्म शिक्षा का सीखा हुआ व्यक्ति था। और जब उसने ऊपर देखा, और उसने जब इस एक उजीयाले को, एक अग्नि का स्तंभ को देखा, जिसने जंगल में से होते हुए उसकी लोगों की अगुवाई की थी, और उसने कहा, "प्रभु," एलोहीम, इंग्लिश के बड़े अक्षर L–o–r... "प्रभु, आप कहां पर हैं?"

74 और इस धर्मज्ञानी के लिए क्या ही एक अचंभित बात रही होगी, यह सुनना, "मैं यीशु हूं," वही एक जिस का तू बहुत ही विरोधी था। और क्या ही एक—क्या ही एक बड़ा मोड़ था! ओह! ओह! यह इस मनुष्य के लिए, निश्चय ही एक भयानक बात रही होगी कि उसकी सारी आकांशा, जो उसके पास थी, अचानक से यह जानना, जिसे वह सताते आ रहा था। उसकी आकांशा ने उसे मुख्य बातों से दूर कर दिया, जो वो करने वाला था। और निश्चय ही उसके लिए ये क्या ही एक—एक बड़ा झटका रहा होगा, इस प्रेरित के लिए, जब उसने कहा, "मैं यीशु हूं," वही एक जिसे तू सता रहा था। "तू मुझे क्यों सताता है?"

75 और एक छोटी सी बात को मैं यहां पर रख सकता हूँ। आप देखना, जब वे कलीसिया का मजाक उड़ा रहे थे, असल में वे कलीसिया का मजाक नहीं उड़ा रहे थे। वे यीशु का मजाक उड़ा रहे थे, "तू मुझे क्यों सताता है?" तब किस तरह से, पौलुस उसकी सारी बुद्धिमता से, जो यह विश्वास करता है कि... यह झुंड जिसे वह सता रहा था, यह वही परमेश्वर है, जिसकी वह सेवा करने का दावा कर रहा है? मैं सोचता हूं कि, इसकी कहानी के अन्दर जाये बिना, मैं सोचता हूं हम सब इसे समझने के लिए बहुत ही अच्छी तरह से प्रशिक्षित हैं, कि मेरा यहां पर क्या मतलब है। वही चीज आज यहां पर हो रही है।

76 पौलुस, इन सारी बातों को नकारते हुए, जो अभी भी बुद्धिमान और चतुर था, और जो उन अशिक्षित गलीलीयों से बहुत ही चतुर था, जिसे वह सता रहा था, वे उनकी नम्रता में उस मनुष्य को प्रभु करके पहले से स्वीकार कर चुके थे। लेकिन पौलुस उसकी बड़ी शिक्षा और उसके ज्ञान में से होते हुए इसे ग्रहण नहीं कर पाया था। और उसके लिए निश्चय ही यह बड़ा मोड़ रहा होगा। और वो जख्मी होकर, अंधा हो गया था, इसलिए वह

उसके कार्यआदेश को आगे नहीं ले गया होगा, और उसे एक रास्ते पर सीधी नामक स्थान के लिए अगुवाई हुई, और वह किसी का तो घर था।

77 और बाद में वहां पर नबी आता है, जिसका नाम हनन्यास था, जिसने एक दर्शन को देखा था, उसने उसे आते हुए देखा था, कि वह कहां पर था, वह वहां चला गया जहां पर वो था, और वो अन्दर गया। और कहा, "भाई शाऊल, उस रास्ते पर प्रभु तुझ पर प्रकट हुआ था; उसने मुझे भेजा है, जिससे कि मैं अपने हाथों को तुझ पर रख सकूं, और तुम अपनी दृष्टि को पाओगे और पवित्र आत्मा से भर जाओगे।"

78 देखो वह कहां पर था। और अवश्य ही पौलुस के लिए क्या यह एक बात रही थी! देखा? वो सब जो कुछ भी उसे करने के लिए सिखाया गया था, ये—ये सब उसके विपरीत था। सो, अब उसकी सारी पढ़ाई लिखाई, जो उसके पास थी, अब उसके लिए बस व्यर्थ ही थी।

79 अब, वह जान गया कि उसके पास एक अनुभव था। इसलिए यहाँ हमारे लिए यह एक अच्छी सीख है, कि केवल अनुभव ही काफी नहीं होता है। इसे तो प्रभु के वचन के अनुसार अनुभव होना होगा। इसीलिए, वो इसे देखते हुए, और तब यह समझ गया कि यह एक कुछ तो महान बात थी, कि उसके इसे पाने से पहले ही किसी और ने इसे पा लिया है, वो अरेबिया के रेगिस्तान में उसे साढे वर्ष लिए लेकर गया; बाइबल को लेकर, जो उस वक्त पुराना नियम हुआ करता था, और वहां से नीचे जाते हुए, इस अनुभव के साथ तुलना कर रहा था, जो उसके पास था, और देख रहा था कि यह वचन के अनुसार है।

80 अब क्या होता यदि उसने कहा होता, "तो ठीक है मैं सोचता हूं, यह छोटी सी ऐसे ही कोई घटना गुजरी थी," और आगे बढ़ गया होगा, "मैं अपनी बुद्धि के अनुसार ही जाऊंगा"?

81 अब, उसे किसी चीज से आजाद होकर एक कैदी बनना था। तो इसके साथ तुलना करने के बाद, और देखते हुए, कोई आश्चर्य नहीं वह एक तरह से इब्रानियों की किताब लिख सका। समझे? वो साढ़े तीन वर्ष, वहां वचन में बना हुआ था और उसी परमेश्वर को ढूंढ रहा था, जिसने उसे बुलाया उसे वापस से लेकर जा रहा है और उसकी सारी बुद्धिमता को बदल रहा है, वह सब कुछ बदल देता है जो उसके कभी विचार रहे थे, और वह जो उसने बनने का प्रशिक्षण लिया था। उसकी सारी आकांशा उसमें से मिट गयी थी

और वह एक कैदी बन गया था। परमेश्वर का प्रेम इतना जबरदस्त था, और एक—एक ऐसा प्रकाशन कि वह इससे दूर नहीं जा पाया।

82 यही वह सच्चा अनुभव है, जो हर एक सच्चे विश्वासी का होना है, जो परमेश्वर से मुलाकात करता है। आप—आप कुछ ऐसी चीज से संपर्क में आते हैं जो कि बहुत ही महान हैं, जिससे आप... जिससे—जिससे आप हर एक चीज को छोड़ एक—एक कैदी बन जाते है। समझे? आप—आप हर चीज से दूर चले जाते हैं, अपने आप को इसके लिए कैदी कर देते हैं।

83 इसे एक समय बताया गया था, कि जहां यीशु ने कहा, "स्वर्ग का राज्य कुछ ऐसा है जैसे एक मनुष्य जो मोती को खरीद रहा है। तब उस मनुष्य को वो मोती मिल जाती है, उस एक बहुमूल्य मोती को खरीदने के लिए वह सब कुछ बेच देता है, जो उसके पास था।"

84 और इसी तरह से यहां पर है। आपके—आपके पास एक मानसिक विचारधारा है, आपके पास एक—एक—एक—एक धर्मशास्त्र का अनुभव हो सकता है; लेकिन जब वो समय आता है, जब आपको—आपको—आपको सचमुच में एक वास्तविक चीज मिलती हैं, आप—आप और सब कुछ बेच देंगे, जो आपके पास है, और आप खुद को इसके अंदर समीप ले जाते हैं।

85 पौलुस जान गया कि यह क्या था। उसने देखा कि वो किसी चीज के साथ जुऐ में जोता गया था। जैसे हम एक घोड़े को कुछ तो खीचाव के लिए जुऐ में जोतते है। और पौलुस इस अनुभव को बाद में जान गया, और उसके पास एक प्रकार का साढ़े तीन वर्ष का बाइबिल के अनुसार अनुभव था, वो जान गया कि परमेश्वर ने उसे चुना है, और उसे पवित्र आत्मा के द्वारा जुऐ में जोता गया है, ताकि अन्य जातियों की उपस्थिती में सुसमाचार को खींचे। आत्मा ने स्वयं उसे जुऐ में जोत दिया।

86 और हम आज परमेश्वर के दास के नाई, जुऐ में जोते गए है, जुड़ गए है। हम नहीं जा सकते है। हम इसके साथ समा गए है, वचन से जुड़ गए है। कोई फर्क नहीं पड़ता कोई और क्या कहता है, आप इस के साथ जुऐ में जोते गए है। इसके विषय में कुछ तो है, जिससे आप बस दूर नहीं जा सकते है। आपको इसके साथ पवित्र आत्मा के द्वारा जुऐ में जोता गया है, आपको वचन से जोड़ दिया गया है। कोई फर्क नही पड़ता कोई और क्या कहता है, यह वचन है। जो हमेशा इसके साथ जोते रखता है, जो

जुऐ को इसमें रख देता है। आत्मा के द्वारा वचन के लिए, वो जुऐ में जुत गया था।

87 उसका अरेबिया, वहां अरेबिया के रेगिस्तान के पीछे प्रशिक्षिण हुआ था। जहां उसकी सारी पिछली बातें और वे अनुभव, और वो आकांशाये, उसने उन सारी चीजों को निकाल कर फेंका था।

88 अब, यही है जहां हम आज देखते हैं, कि जिसे हमें निश्चय ही पहले निकाल फेंकना होगा। और लोग उन चीजों को नही निकालना चाहते हैं। मेथोडिस्ट भाई थोडी बहुत उसकी मेथोडिस्ट शिक्षा को पकड़े रहना चाहते हैं। हूं–हुंह। बेप्टिस्ट भाई थोडी बहुत उसकी बेप्टिस्ट शिक्षा को पकड़े रहना चाहते हैं। समझे? लेकिन आपको पूरी तरह से हर चीज को निकाल कर फेंकना ही होगा, और बस नए सिरे सेफिर से जन्म लेना होगा। और वहां से निकले और पवित्र आत्मा को अगुवाई करने दें। आप ये नहीं कह सकते हैं, "तो ठीक है, अब, मेरे पिता ने कहा, जब वे उस कलीसिया में गए, उन्होंने अपने हाथों को पास्टर से मिलाया था। वह, वो एक अच्छे सभ्य सदस्य है।" वो हो सकता है उनकी पीढ़ी के लिए बहुत अच्छे व्यक्ति रहे होंगे, लेकिन हम एक अलग पीढ़ी है। समझे? अब हमें इस समय के लिए बाइबल की ओर वापस आना ही होगा।

89 वे याजक भी जूऐ में जूते हुए थे। लेकिन आप देखें, उन्हें दुसरे समय की सम्पाती पर आना ही था, लेकिन वे—वे उनके पुराने जूऐ को निकालने से विफल हो गए थे, और उन्हें एक नए जूऐ को ऊपर रखना था।

90 और हम आज उसी बात को पाते हैं। हम एक संस्थापक युग में से होकर आए हैं, जैसे हमने कलीसिया कालो में से होते हुए साबित किया है, बाइबिल और इत्यादि में से साबित किया है, लेकिन हम एक अब स्वतंत्र युग में आए हैं, जहां पर पवित्र आत्मा स्वयं नीचे उतर कर आता है, और खुद को प्रमाणित करता है, और खुद को जानने को लगाता है, हर एक प्रतिज्ञा को करता है, जो उसने प्रतिज्ञा की है, वह पूरी होती है। ओह, प्रभु! क्या ही एक महान समय है!

91 और वह इसे जानता था, एक और चीज को वह जानता था, वो इससे जुते होने के कारण उन स्थानों पर नहीं जा सकता था, कि वह नही जा... जो उसने की थी, लेकिन फिर भी वह जाना चाहता था। वह जान गया कि उसकी आकांशा ने भाइयों के बीच में उसे खींच लिया है, जहां उसे आने

के लिए आमंत्रित किया गया था, और फिर भी वह कुछ और करने के लिए आत्मा में आगे बढ़ रहा था। वो उसके खुद से नहीं करता था।

92 हो सकता है, किसी ने तो उसे कहा हो, "भाई शाऊल, भाई पौलुस, हम चाहते हैं कि तू यहां पर आए, क्योंकि हमारे पास एक बहुत बड़ी कलीसिया है। हमारे पास बहुत से सभा के सदस्य हैं। और तुझे बहुत ही प्रेमदान मिलेगा, और इत्यादि।"

93 लेकिन आत्मा में होते हुए वह बढता गया, उसने सोचा, "वहां पर मेरा एक भाई है, मैं वहां पर जाऊंगा और इस भाई को बचा लूंगा, उसे प्रभु के पास लाऊंगा।" लेकिन, आत्मा ने उसे कही और जाने के लिए विवश किया। वह एक कैदी था। बिल्कुल सही बात है।

94 ओ परमेश्वर, हमें उसी तरह का कैदी बना, हमारे खुद के स्वार्थी आकांशा से, और हमारे खुद के न्याय से और हमारी अच्छी सोच के तरीके से, एक यीशु मसीह का कैदी बना। मैं सोचता हूं यह एक महान बयान था कि, "मैं यीशु मसीह का एक कैदी हूं।"

95 और याद रखें, वह वचन था। समझे? कोई फर्क नहीं पड़ता, कोई भी इसके बारे में क्या सोचता है, यह वचन है। समझे? यदि आप एक वचन के लिए कैदी हैं, कोई भी संस्था आपको इससे झुका नहीं कर सकती है। ये—ये वो वचन है। आप केवल... आप इसके एक कैदी हैं, ऐसा ही है। आपको उसी तरह से ही कार्य करना है जिस तरह से यह करता है।

96 अब वह किसी कुछ स्थान पर नहीं जा सका था, जहाँ वह जाना चाहता था क्योंकि (क्यों? ) उस आत्मा ने उसे मना किया था। आपको याद होगा, बहुत सी बार, पौलुस किसी स्थान पर जाने की कोशिश कर रहा था, यह सोचकर कि, "वही वो स्थान है जहां मैं एक बड़ी सभा को कर सकता हूं," लेकिन आत्मा ने उसे मना कर दिया। अब, क्या यह साफ तौर से बात दिखाई देती थी, और यह साबित होता है कि पौलुस एक कैदी था। [सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा।] एक यीशु मसीह का कैदी, उसके वचन के लिए आत्मा के द्वारा जुऐ में जूता हुआ! ओह! मैं इसे पसंद करता हूं। जी हां।

97 वह बंधा हुआ था। वह एक जंजीर से बंधा हुआ था, और प्रेम के बंधन से, ताकि परमेश्वर की इच्छा को पूरा करें, और केवल उसी की। वह एक कैदी था। वह एक प्रेम के बंधन में था। वह मसीह के साथ जुऐ में जूता हुआ

था। वह किसी और के साथ कभी नहीं जुत सकता है। वह उसके साथ जुऐ में जुता हुआ था। और जहां पर उसे जाने की अगुवाई होती, वही पर उसे जाना होता था, परवाह नहीं करते हुए कि कितनी हरीयाली और चारागाह है, यहां *इस* ओर और *उस* ओर और उसे तो वहां उसी पर जाना होता था, जहां पर उसका अगुवा और जुआ लेकर गया।

98 ओह, आज रात, यदि हम, ब्रन्हम टेबरनेकल की नाई, केवल कैदी बन सकते हैं; जो हमारे खुद के स्वार्थ है, जो हमारे खुद की आकांशा है, जिसे हम खुद को पूरी तरह से समर्पित कर सके और उसके साथ जुऐ में जुत जाये। इससे कोई नहीं फर्क पड़ता कि यह बाकी का संसार क्या सोचता है, बाकी का संसार क्या करता है, हम उसके प्रेम के बंधन के अंदर जुए में जुत गए हैं, हम कैदी हैं। "मेरे पैर मसीह के साथ इतने जुऐ में जुत गए हैं, कि यह नाचना नहीं चाहेंगे। मेरी आंखें मसीह के साथ इतने जुऐ में जुत गयी हैं, इतना तक कि मैं, जब मैं इस आधुनिक नग्न नृत्य करने वालो को रास्ते पर देखता हूं, यह मेरे सिर को घुमा देता है। मेरा हृदय उसके प्रेम में इतना जुऐ में जुत गया है, इतना तक कि मेरे पास इस संसार के लिए कुछ भी प्रेम नहीं हो सकता है। मेरी इच्छाये उसके साथ इतनी जुऐ में जुत गई है, इतना तक कि मैं अब जानता भी नहीं कि मेरी आकांशा क्या है। केवल 'जहां कहीं भी मुझे आप चलायेगे प्रभु, मैं वहां जाऊंगा।' मैं एक कैदी बनुंगा।" समझे?

99 पौलुस सही रुप से एक कैदी था। वो कोई गलत बयान को नहीं दे रहा था। वह पवित्र आत्मा के द्वारा फिर से प्रशिक्षित किया गया था, ताकि उस वचन पर रुका रहे। अब, वह एक तरह से प्रशिक्षित हुआ था, लेकिन—लेकिन अब परमेश्वर ने उसे किसी और तरीके से प्रशिक्षित किया था। वह पवित्र आत्मा के द्वारा प्रशिक्षित किया गया था, ताकि प्रभु के लिए रुका रहे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसकी आकांशाये क्या थी।

100 अब, मैं पवित्र आत्मा के सहायता से आपको कुछ तो दिखाऊंगा। समझे? अब आइये, एक घटना को लेते हैं।

101 एक दिन पौलुस और सीलास किसी शहर से होते हुए, रास्ते पर आ रहे थे, जहां पर उन्होंने एक बेदारी को रखा था। और एक छोटी दुष्ट आत्मा से भरी हुई लड़की उसके पीछे–पीछे आ रही थी, और उसके पीछे से चिल्ला रही थी। और इसमें कोई संदेह नहीं, लेकिन पौलुस जान गया था कि वो

एक प्रेरित होने की नाई उसके पास अधिकार है, कि उस दुष्ट आत्मा को जो उस स्त्री के अंदर थी, उसे डांटे। लेकिन क्या आपने ध्यान दिया? वह प्रतिदिन रुका रहा, जब तक कि, अचानक ही पवित्र आत्मा ने उससे बात की, कहा, "यही वो समय है।"

102 तब उसने कहा, "तू आत्मा, उसमें से बाहर आ जा।" देखा? वह प्रभु पर रुका हुआ था।

103 और वहां पर बहुत से आज लोग हैं, जो वचन के निमित निंदा को लाते हैं। वे एक आकांशा के साथ बाहर जाते हैं। वहां पर कितनी सारी बेदारीयां ठंडी हो गयी है, क्योंकि ऐसे ही कुछ बाते है, क्योंकि वह सुसमाचारक उस बात पर रुके नहीं रहते हैं कि प्रभु क्या कहना चाहता है! उसमें से कुछ कहते हैं, "यहां पर आओ," और वे—वे अब सीधे वहां चले जाते है क्योंकि सहयोगी ने कहा, "जाओ।" और पवित्र आत्मा कुछ तो अलग ही कहता है। फिर भी, मनुष्य की आकांशा कोई राजकीय पुरोहित बनना है, या—या कुछ तो और बनना, या कोई प्राचीन बनना, या कोई बिशप, या ऐसा ही कुछ जो उसे खींचे, "तुम्हें जाना ही होगा।" और फिर भी, वो अच्छी तरह से जानता है। पवित्र आत्मा कहता है, "*यहां* पर जाओ।" समझे? वह उसके संस्था के साथ जुऐ में जूता हुआ है। वह एक संस्था का कैदी है।

104 लेकिन यदि वह एक मसीह के साथ जुऐ में जूता हुआ है, वह पवित्र आत्मा के द्वारा चलेगा। वह... ? ... समझे? वह जुऐ में जूता हुआ है, एक कैदी है। कोई फर्क नही पड़ता कि कोई और क्या कहता है; ये एक—ये एक ठनठंनाता हुआ पीतल और झंझनाती हुई झांझ है। वह केवल परमेश्वर की आवाज को सुनता है, और वह केवल वही बोलता है, जब ये उसमें से बाहर आती है। वह कुछ और नहीं बोलता है।

105 कोई तो कहता है, "ओह, ओह, भाई जोंस!" भाई रॉबर्ट्स या कोई भी वह बड़ा व्यक्ति आज हमारे देश में आया है, जैसे टॉमी हिक्स, या—या—या और ओरल रोबर्ट्स, या—या भाई टॉमी ओसबेर्न, उनमें से कोई तो बड़ा सुसमाचारक। यदि कोई तो कहेगा, "तुम यहां पर बोलने के लिए आओ टॉमी, तुम परमेश्वर के एक महान व्यक्ति हो।" (या जुबानी।) "और—और मेरे एक—एक अंकल हैं, जो वहां पर रहते हैं, जो—जो पूरी तरह से जकड़े हुए हैं। और वह—वह बीमार हैं। मैं चाहता हूँ, आप

वहां पर आये, मैं विश्वास करता हूं, तुम्हारे पास उसे चंगा करने की वो शक्ति है।" समझे?

और हो सकता है पवित्र आत्मा उसे कहेगा, "अभी नही।"

106 लेकिन फिर भी, उस व्यक्ति के साथ मित्रता होने के कारण, वह उसके साथ जाने के लिए कार्यबद्ध है। यदि वह नहीं जाता है, वह उस व्यक्ति का शत्रु बन जाता है। वह मनुष्य कहेगा, "तो ठीक है, वो वहां *फलां–फलां* जगह पर उस बालक को या उस लड़के को चंगा करने के लिए गया था। मैं जानता हूं उसने किया है। और मैं उसका वर्षो से मित्र रहा हूं, देखा, वह मेरे स्थान पर नहीं आया।"

107 लेकिन यदि उसे वहां नहीं जाने के लिए पवित्र आत्मा के द्वारा विवश किया गया है, अच्छा होगा कि वह न जाए, यदि वह परमेश्वर के जुऐ में जूता हुआ है तो। उसका मित्र, उसका प्रेमी है। लेकिन उसके लिए बेहतर होगा कि पवित्र आत्मा की अगुवाई के द्वारा ही वहां पर जाए, क्योंकि इससे किसी भी तरह से कुछ भी भला नहीं होगा। मैंने इसका बहुत सी बार अनुभव किया है।

108 लेकिन पौलुस केवल पवित्र आत्मा के लिए रुका रहा ताकि उसे बताये कि क्या करना है। कहा, "पवित्र आत्मा पर रुके रहो।" वो एक रात भर प्रचार करने के लिए खड़ा रहा। और वो वहां से चलकर बाहर आया। उसने एक लंगड़े व्यक्ति को देखा, और उसी वक्त पवित्र आत्मा ने उससे बातें की और कहा, "मैं जान गया हूँ... " कैसे? उसी तरह से वो जान गया कि वे उस एक टापू के ऊपर नष्ट होने वाले थे। समझे? "मैं जान गया हूं कि तेरे पास चंगाई पाने के लिए विश्वास है। अपने पैरों पर खड़ा हो जा, यीशु मसीह तुम्हें चंगा करता है।" देखा? आप वहीं पर हैं। वह—वह... वह जुऐ में जूता हुआ था। हो सकता है, उसने वहां पर एक हफ्ते की बेदारी रखी हो और कुछ भी घटित नहीं हुआ था, लेकिन फिर भी पवित्र आत्मा के बोलने के लिए वह रुका हुआ था। समझे? वह उस संकेत के लिए जुऐ से जुता हुआ था।

109 अब आप कहेंगे, "भाई ब्रन्हम, आप उस गलत ठहरा रहे हैं, जो आपने रविवार को कहा, उस विषय के लिए आप बहुत समय से रुके हुए थे।"

110 और, लेकिन, आपको याद है, यह पवित्र आत्मा था जिसने मुझसे वहां उस रास्ते पर बातें की, और कहा, "मैं तुम्हें वापस उस बीमारों के और

पीड़ित लोगों के बीच में भेज रहा हूं।" देखा? यह पवित्र आत्मा के निमित आज्ञा में रहना है। निश्चय ही। मैं तब तक नहीं गया, जब तक उसने मुझे इसे करने के लिए नहीं कहा। मैं यहोवा यों कहता है, वाले वचन के लिए तब तक रुका हुआ था, जब तक मुझे पास यहोवा यों कहता वाला वचन नही मिला। अब, यही भिन्न बात है। समझे? अब, ये, इस एक बात को भिन्न बनाती है। जी हाँ।

111 वह प्रभु के वचन के लिए रुका रहता। वह आत्मा में आगे बढता था, जिससे की वह केवल परमेश्वर के आज्ञा को पूरा करता रहे, तब वो एक यीशु मसीह का कैदी बन गया था। दोस्तों, अगर हम केवल उसी के कैदी बन सकते हैं!

112 मैं जानता हूं यह गर्मी है। लेकिन मैं—मैं कुछ और पात्रो के नाम को लुंगा, यदि आप कहे हैं तो। मैंने यहाँ लगभग छ: और आठ पात्रो को लिख कर रखा हैं। लेकिन मैं—मैं केवल बस और दो ही पात्रो के नाम लुंगा।

113 आइए मूसा के चरित्र को लेंगे। उसका एक छुटकारा देने वाला होकर जन्म हुआ था। और वह—वह—वह यह जान गया था, कि उसका एक छुड़ाने वाला होकर जन्म हुआ था।

114 लेकिन इससे पहले मैं मूसा के बारे में कहूं, मैं इस बयान को देना चाहता हूं कि परमेश्वर किसी ऐसे मनुष्य को लेता है, जो सच्चाई से उसकी सेवा करें, उसका एक कैदी बने। एक मनुष्य उसके हर एक आकांशा को, जो उसके पास है, वो जो कुछ भी है, हर एक—हर एक चीज, उसका जीवन, प्राण, शरीर, उसकी इच्छा, आकांशा, और जो कुछ और भी है, और वो एक पूरी तरह से मसीह का एक कैदी बनता है, उस वचन का ताकि वो परमेश्वर की सेवा करें।

115 हो सकता है आपको अपने उत्तम विचारों के विपरीत चलना होगा। हो सकता है किसी एक फलां संप्रदाय में, हो सकता है आप सोचते हो कि वे आपको ऊपर उठायेंगे और आपको कुछ तो बड़े काम को देंगे जिससे कि आप चमक सके। लेकिन आप अपने आप में क्या पाते हैं? आप अपने आप को कुछ समय के बाद एक हारा हुआ पाते है, जब तक परमेश्वर एक मनुष्य को नहीं ले लेता, जो उसके लिए एक कैदी बनना चाहता है।

116 परमेश्वर कैदियों के लिए देख रहा है। उसने हमेशा ही ऐसा किया है। आप वचन में से होकर देख सकते हैं। एक मनुष्य को मसीह के लिए एक

कैदी बनना है, किसी भी चीज के विपरीत। इसीलिए, आप मसीह को छोड़ और किसी चीज के साथ जुडे नहीं होना हैं; यहाँ तक कि आपके पिता से, आपकी माता, आपके भाई, आपकी बहन, आपका पति, आपकी पत्नी, कोई भी हो। आप केवल मसीह के साथ जुड़े हुए हैं और केवल उसी के साथ, तब परमेश्वर आपको इस्तेमाल कर सकता है। तब तक आप नही कर सकते हैं।

117 बाहर जाकर, कभी–कभी लोगों से कड़क बात करना होता हैं। समझे? मैं—मैं आपको छुड़ाने के लिए यत्न कर रहा हूं। आपके पास एक आरंभिक स्थान होना चाहिए, जैसे कभी–कभी हम स्त्रियों को उनके कटे छोटे बालों के लिए और इन छोटे कपड़ों को पहनने के विषय में बताते हैं और अपने मसीहत आचरण के अंदर बने रहने और बनाये रखने के लिए बताते हैं। वे कहते हैं, "यह छोटी–छोटी बातें हैं।" तो ठीक है, आपको कहीं से तो शुरुआत करना होगा। सो ठीक वहीं से आरंभ करे, अपनी क ख ग के साथ। समझे? और किसी भी तरह दुनियादारी के लोगो के जैसे दिखने से आपको स्वतंत्र होना है, और मसीह का एक कैदी बनना है। और उसके बाद केवल उसी पर आगे बढ़ना है, हर चीज को निकालना है, जब तक कि अत: वो आखरी रेखा निकल नहीं जाती। तब आप—तब आप उसके बाद एक कैदी बनते हैं, आप उसके गिरफ्त में आ जाते हैं, और वह—वह आपको उसकी गिरफ्त में ले लेता है।

118 अब, मूसा जानता था कि उसका एक छुड़ाने वाला होकर जन्म हुआ था। वो यह जानता था। और क्या आपने ध्यान दिया, जो आकांशा मूसा के पास थी; जानते हुए वहां पर उसकी माता ने उसे बताया था कि वह उसकी दाई थी।

119 कोई संदेह नहीं, जब मूसा वो छोटा बालक जन्मा था, जो उसकी मां ने कहा, "तुम जानते हो मूसा, जब... तुम्हारे पिता अम्राम ने और मैंने निरंतर प्रार्थना की थी। हम जानते थे, और वचन में देखा, यह वही समय था जब एक छुड़ाने वाले को आना था। और हमने प्रार्थना की, 'प्रभु परमेश्वर, हम एक छुड़ाने वाले को देखना चाहते है।' एक रात, प्रभु ने हमसे उस एक दर्शन में कहा कि तुम्हारा जन्म होगा, और तुम एक छुड़ाने वाले बनोगे। हम उस राजा की आज्ञा से नहीं डरे थे। हमने परवाह नहीं की थी कि राजा ने क्या कहा। तब, हम जान गए कि तुम्हारा जन्म एक छुड़ाने वाले की नाई

होना था। अब मूसा हम जानते हैं कि हम तुम्हें सही तरीके से ऊपर नहीं ला सकते हैं।"

120 अब याद रखना, वह वहां पर चार सौ वर्ष से मिस्र में थे। समझे?

121 "और हम—हम तुम्हे सही चीज को देना चाहते थे, सही शिक्षा, सही प्रशिक्षण। इसीलिए हमने तुम्हें लेकर और एक छोटी सी नाव में रख दिया, और तुम्हें नील नदी के अंदर रख दिया। और कितनी अजीब बात है कि वो पानी का बहाव, सरकंडो में से और तेजी से बहाव में से होते हुए, सीधे उस छोटी सी नाव को नीचे लेकर गया, मीलो दूर, और मुड़कर उस फिरौन के महल के अंदर चली गई, जहां पर वह... फिरौन की बेटी थी, जहाँ पर उसका नहाने का तलाब था, और ऐसे ही मुझे पता चला कि तुम्हे पालने के लिए एक स्त्री की आवश्यकता थी।"

122 और उन दिनों में, निश्चय ही उनके पास बच्चों को बढ़ाने के लिए उनके पास बोतले नहीं होती थी और इसलिए उसे दूध पिलाने वाली दाई होना था। इसलिए...

123 "और मरियम को मैंने वहां पर भेजा। और वो वहां पर खड़ी थी, और उसने कहा, 'मैं जानती हूं मुझे वो दूध पिलाने वाली दाई कहां पर मिल सकती है,' और आकर और मुझे वो वहां लेकर गयी। और मूसा, सारे दरवाजे बंद हो गए है। प्रिय, अब तुम सोलह वर्ष के हो, और तुम फिरोन के पुत्र होने जा रहे हो। और किसी दिन तुम एक छुड़ाने वाले होंगे, जिसे लोगों को यहां से बाहर निकालना है।"

124 मूसा की आकांशाओ ने बढ़ना आरंभ किया। "मैं पढ़ूंगा, मां। मैं वो हर एक चीज पढ़ूंगा, जिसे मैं पढ़ सकता हूं। तुम जानती हो कि मैं क्या करूंगा? मैं अध्यन करूँगा, किस तरह से एक सेना का एक आदमी बनना है, और मैं जान जाऊंगा इन लोगों को यहां से कैसे बाहर निकालना है। मैं एक बड़ा जनरल, बिशप बनूंगा, इसीलिए कि मैं जान जाऊं कि इसे कैसे किया जाना है। और मैं—मैं इसे बाहर निकालूंगा। मैं अपनी पी एच. डी और एल एल. की उपाधी लुंगा। मैं इसे कर लूंगा।"

125 जैसे "फादर चिंकूयू।" यदि आपने कभी उसकी किताबों को पढ़ा है। तो ठीक है। वह "सारे प्रोटेंस्टेट को छुड़ाने जा रहा है," आप जानते हैं, और वही वो एक होगा, खुद। सो ये याजक वर्षों पहले, "फादर चिंकूयू" आपको उसकी किताब को लेकर इसे पढ़ना चाहिए। वे उसे "फादर" बुलाते हैं। वह

बस एक भाई चिंकूयू है, जो ऐसा ही था। हम किसी मनुष्य को "फादर" ऐसे नहीं बुलाते हैं। सो हम देखते हैं कि—कि हम... वो बाइबल को बताने जा रहा था, इसलिए कि वो वहां पर आकर और प्रोटेस्टेंट धर्म को गलत गलत घोषित करके और इन सबको कैथोलिक बना सके। और जब वह बाइबल को बताने के लिए गया और पवित्र आत्मा उस पर आया, और उसे पवित्र आत्मा मिला और तब वह उनमें से एक बन गया।

126 इसलिए तब आप इसे ध्यान दें, मूसा को सारा प्रशिक्षण मिला था। इसलिए वह—वह जान गया था। वह बहुत ही चतुर व्यक्ति था, बहुत ही पढ़ा–लिखा, बहुत ही बुद्धिमान! इतना तक कि कोई भी नहीं... वो मिस्त्रियों को भी सिखा सकता था। इतना तक कि वह मनोविज्ञानिको को भी सिखा सकता था। वो उनके—उनके जनरल लोगो को सिखा सकता था और जो उनके सेना में रहे होंगे। वह एक महान व्यक्ति था। और लोग मूसा से डरते थे, क्योंकि उसकी महानता की वजह से। ओह, क्या ही एक विद्या थी! ओह! वह एक आर्कबिशप था या हो सकता है जैसे एक पोप। वह एक बड़ा व्यक्ति था। और वो एक—एक—एक शुरवीर मनुष्य था। और वह जान गया था कि उसने इसे करने के लिए जन्म लिया है, और प्रशिक्षिण हुआ था, वो इसे करने ले लिए उसकी बड़ी आकांशा के साथ था।

127 बिल्कुल वैसे ही जैसे आज है, मैं यह नहीं कहता कि वे मनुष्य जो इन विद्यालयो में प्रशिक्षण ले रहे हैं, मैं यह नहीं कहता... कि जैसे कि वे जो बाहर यहाँ अब पश्चिम में है, वे पंद्रह करोड़ डॉलर्स का धर्म शिक्षा का विद्यालय बनाने जा रहे हैं, देखो, जो पेंटीकोस्टल का पंद्रह करोड़ डॉलर्स विद्यालय होगा, मेरे लिए, इसे कार्य क्षेत्र में मिशीनरी होना चाहिए। समझे? समझे? देखा? लेकिन, जो भी है, वे क्या करने के लिए करते है, जब वे वहां से बाहर आते हैं? वे क्या होते है? आवारागर्दी करने वालों का झुंड। बिल्कुल ठीक वैसे ही है। और फिर इसी तरह से वे बाहर आते हैं। ये हमेशा से ही ऐसे है, और उनमें से बाकी के जो है, और वे भी उसी तरह की राह में है। देखा?

128 अब, हम यह देखते हैं, कि, जब, मूसा उसके सारे प्रशिक्षण में था, और आज उनके सारे प्रशिक्षण, बड़े–बडे बिशप और इत्यादि को तैयार कर रहे हैं, वह महान, बडी आकांशा, हम क्या करेंगे? हमारी आकांशाये लगभग बिल्कुल वैसे ही बनती है जैसे मूसा की थी। समझे?

129 इससे पहले परमेश्वर उस व्यक्ति को अपने हाथ में ले, उसे अपनी सारी आकांशा को निकाल फेंकना था। उसे उसके सारे प्रशिक्षण को निकाल फेंकना था।

130 उसे वहां पर जाना था, और उसे छुटकारा देना था; उसने एक मिस्त्री की हत्या की। और वह, जब उसने ऐसा किया, उसने पाया कि उसने गलत किया था। वो ऐसा नहीं कर पाया था। यह वो तरीका नहीं था। और परमेश्वर को उसे बाहर निकालकर और जंगल के अंदर लाना था, उस रेगिस्तान में, एक रेगिस्तान के स्थान पर।

131 आप ध्यान देना, एक अजीब सी बात है, कैसे वे लोग, जिनके लिए परमेश्वर के पास एक संदेश है, वह उन्हें एक रेगिस्तान के अन्दर ले जाता है।

132 परमेश्वर पौलुस को रेगिस्तान में ले गया ताकि उसका प्रशिक्षण करें, उसे बताये कि वह सारा महान दर्शन क्या था, वहां उस रेगिस्तान के अंदर। "उस एक फलां रेगिस्तान के अंदर चले जाओ।" और वह वहां पर रुका रहा, जब तक परमेश्वर ने उसे पूरी तरह से नहीं बताया कि क्या करना है।

133 और मूसा के समय में, वो उसे वहां रेगिस्तान में लेकर गया, वहां उसे चालीस वर्षों तक रखा, और उसकी सारी धर्म शिक्षा और उसकी सारी आकांशा को निकाल फेंका। ओह, यह क्या ही एक समय है, कि वह पीछे मुड़कर देख सकता है, और उसके विफलता को देख सकता है। और किस तरह, हमें आज रात उसी बात को करना चाहिए जब हम हमारी आकांशा को देखते हैं।

134 उस चंगाई की सभाओ की ओर देखो, और देखो यदि प्रभु ने कुछ वर्ष पहले कुछ तो किया है, वो बीमारो के लिए चंगाई को लौटाना आरंभ कर रहा है, और इत्यादि।

135 हर एक जन, हर एक संस्था, क्योंकि यह उनकी संस्था में नहीं आया, उन्हें उनके लिए एक चंगाई देने वाला चाहिए था। और हमने क्या किया है? आइए केवल कुछ समय के लिए इसे देखेंगे। हमने उसी चीज को किया है, जो मूसा ने की थी। हमने बाहर जाकर और बहुत ही कोशिश की है कि किसी प्रकार के चिन्ह चमत्कारों को निर्माण करे। "मैंने एक बीमारी को निकाला। मेरे—मेरे—मेरे हाथ में वह लहू है," और एक चमत्कार का निर्माण करते

है। समझे? और हमें क्या मिलता है? कुछ लोग के पास इतना ज्यादा तनाव होता है, वे टूट कर और रोज शराब पीते है, पागल, और दिमाग में असर हो जाता है। और वे वापस बहुत पीछे चले जाते है, जिससे कि पेंटीकोस्टल की बातों को ले सके, फिर से संस्थाओं और इत्यादि चीजों को बना रहे है। देखा?

136 हमने क्या किया है? लगभग एक मिस्त्री को मारा है। यह सही बात है। और हमने कोशिश की है। हमने तनाव लिया है। हमने भरपाई की है। हमने परिश्रम किया है, हम पूरी रात भर की लम्बी प्रार्थना की सभा में जाकर यहाँ तक की हमने अपनी आवाज को भी गवा दिया। और—और कुछ तो निर्माण करने की कोशिश करते है, और कुछ तो शक्ति बढाने की कोशिश करते है, और इस तरह की सारी चीजों को करते है, और हम इसे पूरी तरह से विफल होते हुए दिखाई देते है। हमें उस रेगिस्तान में वापस जाने की आवश्यकता है। सही है। जी हां श्रीमान। कोशिश करते है और संघर्ष करते है। हम बस इसे छोड़ क्यों नहीं देते? यही है, जो तुम्हे करना चाहिए, देखो, वापस जाये और इसे करना छोड़ दे। क्योंकि, हमने उन्हीं बातों को किया है, जो उन्होंने की है, उसी बातों को मूसा ने किया। इससे कुछ भी लाभ नहीं है। चालीस वर्षों के बाद, उसने खुद को परमेश्वर के वचन का एक कैदी पाया। हम क्या करने की कोशिश करते हैं?

137 जब, वह महान आशीष बाहर आती है, और इन सारी महान बातों का प्रगटीकरण, जिसके बारे में परमेश्वर ने हमें बताया; कैसे हमें फिर से नया जन्म लेना अवश्य है; और हमें कैसे पवित्र आत्मा को पाना अवश्य है; यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेना है; और ये सारी बातें जो यहां पर है।

138 आप देखो, लोग, उस वचन में बने रहने की बजाये, इसके जुऐ में जुत गए हैं, वे क्या करने के लिए करते हैं? उन्होंने अपनी खुद की संस्थाओं की धर्म शिक्षा को आरंभ किया, जो पहले से विफल हो चुकी थी, और कुछ तो बनाने की कोशिश करते हैं, जो सच्चाई के जैसा दिखाई देता है।

139 अच्छा होगा कि मैं इसे यहीं पर छोड़ दूं। देखा? मुझे पक्का है, आपके पास इतनी समझ है कि यह जाने मेरा क्या अर्थ है। समझे? लेकिन, क्योंकि, देखो, इसने क्या किया है। इस पर सोचे।

140 हमारे पास आज रात क्या है? सिवाय एक—एक—एक संस्थापक लोगों के भरे हुए राष्ट्र के: जिन्होंने परमेश्वर के वचनो को इनकार किया है:

जो पवित्र आत्मा के जीवन को कहते हैं, कि "यह एक मानसिक विचारधारा थी"; जो ऐसे लोगो उनकी कलीसिया में आने से मना करते हैं; और वे कभी भी आपको सर्प के बीज के एक शब्द को बताने की अनुमती नहीं देंगे, अनंत सुरक्षा, और वे बातें जिसे पवित्र आत्मा ने प्रकट की है, और वचन होने के लिए साबित की है। मैं चुनौती के बाद चुनौती को देता हूँ, कि आकर बतायें और इसे मुझे गलत साबित करें।

141 उनके पास क्या है? वही चीज जो लूथर के पास थी, और जो उन बाकी लोगों के पास, देखो, एक मिस्त्री को मारना। क्या... यह क्या था? हो सकता है उसने किसी व्यक्ति को... चोरी करना बंद करवाया हो, या हो सकता है वो अपने पत्नी के प्रति सच्चा बन गया हो। लेकिन उस बात से आपने उसे क्या बनाया? एक कलीसिया का सदस्य। "आकर और हमारे झुंड से जुड़ जाओ।" देखा?

142 वो दुर्गन्धयुक्त मरा व्यक्ति ही केवल वो चीज है जिसकी ओर वो उसकी उंगलीयों को दिखा सकता है, जो उसकी सफलता है, जो चालीस का प्रशिक्षण है; एक दुर्गन्धयुक्त मिस्त्री वहां पर पड़ा हुआ है, सडा हुआ और मर गया है।

143 इस विषय में आज रात भी उसी तरह से है। केवल एक ही चीज की ओर हम इशारा कर सकते हैं, जो सफलतापूर्वक बेदारी है (कहलाने वाली बेदारी) यह एक दुर्गन्धयुक्त कलीसिया के सदस्यों का झुंड है, जो परमेश्वर के बारे में इतना अधिक नहीं जानते हैं, जितना वे एक होट्टेन्टोट मिस्त्रीयो की रात के बारे में जानते होंगे। सही है। यही है, उन्हें परमेश्वर के वचन के बारे में बताये, वे कहेंगे, "मैं इसे विश्वास नहीं करता हूं।" कहेंगे, "मैं परवाह नहीं करता हूं, तुम क्या कहते हो, मैं इसे विश्वास नहीं करता हूं।" समझे? समझे? ऐसा ही करना वो एक सबसे ख़राब बात है, उन बातों को दिखाना कि वो सारा जोर लगाना और संघर्ष करना, जो कुछ भी हमने किया है।

144 हो सकता है हम एक बड़े विद्यालय की ओर इशारा कर सकते हैं, लेकिन यह मरा हुआ है। हम एक संस्था की ओर इशारा कर सकते हैं, लेकिन यह मरी हुई है। इसमें से दुर्गन्ध आती है। ये तो केवल पहली चीज के जैसा है जिसमें से हम बाहर निकाले गए। "जैसे कि एक सुअर का कीचड़

के अंदर जाना। और कुत्ता अपनी छांट को चाटता है, " जब हम वापस जाते हैं। एक मरा हुआ मिस्त्री।

145 कोई संदेह नहीं, लेकिन किसी ने कहा, "मूसा क्या तुम्हारे पास लोगों के लिए कोई अहसास नहीं है? तुम्हें इसे करने के लिए बुलाया गया है।" कोई तो जो मूसा को जानता था, और जानता था उसे यह करने के लिए बुलाया गया है। "क्या तुम... लोगों के प्रति अनुभूति को खो चुके हो? "

"नहीं श्रीमान।"

146 "तो, क्यों, तो वहां पर बाहर जाकर, *इसे* क्यों नहीं करते हो? और तुम यहाँ जाकर, *इसे* कोशिश क्यों नहीं करते हो? और तुम बाकी लोगों के साथ क्यों नहीं जाते हो? "

147 मूसा ने वहां पर हर एक बात को निकाल फेंका था, जब तक उस जलती हुई झाड़ियों पर उसके पास एक अनुभव नहीं था, जो वचन को घोषित करता है। "मैं अब्राहम का इसहाक और याकूब का परमेश्वर हूं। और मुझे मेरी प्रतिज्ञा याद है। और मैं उन्हें छुड़ाने के लिए नीचे उतर कर आया हूं। मैं तुम्हें इसे करने के लिए भेजता हूं।" यह क्या था।

148 उसने वचन को देखा था, ना ही लोगों की आकांशा या लोगों के इच्छाओं को। तब वह क्या बन गया? वह मिस्त्रियों के सामने और नहीं आना चाहता था। वह इन बातों का सामना नहीं करना चाहता था। लेकिन वह कैदी बन गया। आमीन। चालीसवा वर्ष चल रहा था, वह सब कुछ उसमें से निकाल फेंक रहा था, लेकिन बाद में वह कैदी बन गया, उस जलती हुई झाड़ी पर, वो शक्तिशाली मूसा जो उसके सारे बुद्धिमता के साथ था। बाइबल कहती है कि वहां मिस्त्र में मूसा शब्दों में, कार्य में शक्तिशाली मनुष्य था।

149 लेकिन ध्यान देना शक्तिशाली धर्मज्ञानी ने उस जलती हुई झाड़ी के उपस्थिति में क्या किया। उसने केवल उसकी अयोग्यता को स्वीकार किया। जब उसने परमेश्वर के सच्चे उद्देश्य को देखा, उसने इसे करने के लिए उसकी अयोग्यता को स्वीकार किया। फिर भी, वो सारे धर्म ज्ञान से प्रशिक्षित था, जो वे उसे दे सके थे, उनके सबसे अच्छे विद्यालय में प्रशिक्षित था। लेकिन, फिर भी, वह क्या कर सका... उसने अग्नि का स्तंभ को जलती हुई झाड़ी पर मंडराते हुए देखा? कहा, "यहां तक मैं बात भी नहीं कर सकता हूँ। हूं–हूंह। प्रभु, मैं कौन हूं, कि मैं वहां पर जाऊं? " देखा?

150 “अपने जूतों को उतारो, मूसा। मैं तुमसे बात करना चाहता हूं। अपने आप को उतार फेंको, यहां तक तुम्हारे जूते भी। तुम—तुम फिर से जमीन पर पर आ जाओ। मैं तुमसे बात करना चाहता हूं।”

151 यहाँ तक वो बात भी नहीं कर पा रहा था। अत:, एक चुना हुआ कैदी, बिल्कुल वैसे ही जैसे पौलुस चुना हुआ था। मूसा चुना हुआ था, छुड़ाने वाला। और बाद में, अत:, परमेश्वर का उसका चुना हुआ अधीन, उसके लिए एक कैदी। ओह, हाल्लेलुय्या! वह तभी चल सकता है जब परमेश्वर उसे चलाता है। “मैं उसे क्या कहूंगा कि किसने मुझे भेजा है? ”

“मैं हूं।”

“मैं इसे कैसे करूंगा? ”

“मैं तुम्हारे साथ हूं।”

152 “जी हां, प्रभु, जैसे आप कहे। मैं यहां पर हूं।” ओह, प्रभु! यही है, वह उसका एक कैदी है।

153 वह उसके श्रेष्ठ विचारों के विरोध में चला गया। अब, उसे अपनी एक सेना को कार्य आदेश देने के लिए प्रशिक्षित किया गया था, “तलवारों को उठाओ! सामने देखो!” आगे बढ़ने के लिए प्रशिक्षित, “वे रथ, सब कतार में हो! भाले, आगे की ओर! हमला!” इसी तरह से वो इसे लेने जा रहा था। यही उसका प्रशिक्षण था।

लेकिन उसने कहा, “मैं किस चीज का इस्तेमाल करूंगा? ”

कहा, “तुम्हारे हाथ में क्या है? ”

154 “एक लकड़ी।” परमेश्वर ऐसी कुछ चीजो को करता है, मनुष्य के दिमाग के लिए कभी–कभी हास्यास्पद होती है। समझे? अपने हाथ में एक लकड़ी लिए हुए, नीचे लटकती हुई दाढ़ी। अस्सी साल का बूढ़ा। उसकी पत्नी एक खच्चर पर बैठी हुई थी; और बच्चा उसकी के गोद में बैठा था। छोटे, कोमल हाथ नीचे की ओर लटकते हुए; एक लकड़ी। केवल उसका सिर ऊपर की तरफ उठा हुआ था, क्योंकि उसके पास यहोवा यों कहता वाला वचन था। क्यों? वह अतः उसके साथ जुड़ गया था।

155 वह एक कैदी था। “मैं केवल तभी आगे बढ़ूँगा जब वो मुझे आगे बढ़ाता है। मैं केवल तभी बोलूंगा, जहां पर वचन बोलता है।”

“तुम कहां जा रहे हो? ”

156 “मेरे पास एक कार्यआदेश है: फिरोन के सामने खड़े होकर और उसे इस छड़ी के द्वारा दिखाओ, मुझे परमेश्वर ने भेजा है।” आमीन।

“तुम इसके बाद क्या करोगे? ”

“मेरे इसे करने के बाद, वह अगली चीज का प्रयोजन करेगा।”

157 आप वहीं पर हैं। आपके पास केवल करने के लिए एक ही चीज है, वह पहला कदम, आज रात को: समर्पित करें, एक कैदी बन जाए। अपने बारे में मत सोचो या किसी और चीज के बारे में। एक कैदी बन जाए।

158 मूसा एक कैदी बन गया, उसने स्वीकार किया वो तो बात भी नहीं कर पा रहा था। अत: जब परमेश्वर ने उसे अपने हाथों में ले लिया, वो केवल वहीं पर आगे बढ़ सकता है जहां परमेश्वर उसे आगे बढाता है। जहाँ, उसने उसे वचन को बताया। वो जनता था कि यह वचन था, उसके बाद उसने अपने आप को वचन के लिए सौंप दिया। और पवित्र आत्मा वहां पर, परमेश्वर ने, मूसा को परमेश्वर की इच्छा से जूऐ में जोत दिया।

159 बिल्कुल इसी बात को उसने पौलुस के लिए किया। क्या यह सही है? [सभा कहती है, “आमीन।”—सम्पा।] उसने पौलुस को जूऐ में जोत दिया; छोटा सा, मुड़ी हुई नाक, कटु यहूदी, जो पी एच.डी और एल एल. डी की उपाधी से वो पूरी तरह से लदा हुआ था। लेकिन उसने कहा, “मैं उसे दिखाऊंगा कि उसे वचन के कारण किन बातों को सहना होगा।” समझे? और वह...

160 और तब पौलुस वहां पर बैठा हुआ और वचन को देख रहा था, और वह यह देख रहा था, कि वो यीशु था, तब उसने अपने हाथों को ऊपर उठाया और वह उससे जूऐ में जुत गया। परमेश्वर के प्रेम ने वचन के साथ जूऐ में जोत दिया। “वह अन्य जातियों के सामने मेरे नाम की गवाही देगा।” वह वहां पर चला गया।

161 “मूसा, मैं तेरे पूर्वजो का परमेश्वर हूं। मैं अब्राहम, इसहाक, और याकूब का परमेश्वर हूं। मुझे याद है, मैंने उनसे प्रतिज्ञा की थी, और प्रतिज्ञा का समय नजदीक आ गया है। और मैं अपने लोगों की पीड़ाओ को देख रहा हूं। मुझे मेरी प्रतिज्ञा याद है। और मैं तुम्हें लेने के लिए नीचे उतर आया हूं ताकि तुम्हे जूऐ में जोत दू। तुम्हे पता है कि वचन क्या कहता है। मैं तुम्हे वहां जाने के लिए जूऐ में जोत देता हूँ, तुम्हे सामर्थ के साथ जूऐ में जोत देता हूँ, ताकि तुम वहां जाकर और मेरे लोगों को छुड़ाओ। और इस

छड़ी को, एक गवाही के रूप में, अपने हाथों में लेना, क्योंकि तुमने इसके द्वारा किए हुए चमत्कार को देखा है।" बिल्कुल वैसे ही जैसे दाऊद के पास गुलेल था। देखा?

162 खुद को जूऐ में जोत दिया, और वह आगे निकल गया। अतः, परमेश्वर के पास एक मनुष्य था जो उसके अधीन था, उसके साथ जूऐ में जूता हुआ था, और वह आगे नहीं बढ़ सका, जब तक उसे परमेश्वर के वचन ने आगे नहीं बढ़ाया। यदि मनुष्य केवल आज इसी तरह से करें तो! तब, वह उसका कैदी था, एक प्रेम का कैदी, जो उसके प्रेम की बंधुवाई से परमेश्वर के साथ—साथ जूऐ में जूता हुआ था, जैसे पौलुस जूऐ में जूता हुआ, परमेश्वर के प्रेम में बंधा हुआ था।

163 बिल्कुल वैसे ही जैसे पौलुस, दोनों ने इसी तरह से प्रशिक्षण को लिया था। मूसा ने प्रशिक्षण को लिया, आप जानते हैं ताकि इस्राएल के बच्चों को बड़ी सेना के द्वारा छुड़ाए। पौलुस को प्रशिक्षण मिला था ताकि उन्हें रोमन के हाथों से छुडाकर और उन्हें स्वतंत्रता के अंदर रख दे, जो उस दिन पर संसार की बहुत बड़ी संप्रदायक ताकत थी। बड़े विद्यालयों का प्रक्षिक्षण, जो गमलीयल के देख रेख में आता था।

164 और दोनों जन रेगिस्तान के अंदर गए थे; और बाहर एक अलग ही मनुष्य बनकर निकले। दोनों ने अग्नि के स्तंभ को देखा था। और दोनों ही भविष्यवक्ता थे। क्या यह सही बात है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] वे दोनों ही भविष्यवक्ता थे। और दोनों ही अग्नि के स्तंभ के द्वारा बात किए गए थे, यह बिल्कुल सही है, जो एक छुड़ाए जाने के लिए आया था। वे वहां पर थे; एक रेगिस्तान के अंदर चले गए। अपने घरों को छोड़ दिया और रेगिस्तान में चले गए; इसे पाने के लिए। अपने लोगों और सारी चीजों को उन्होंने छोड़ दिया, ताकि परमेश्वर की इच्छा को जाने। समझे?

165 वे एक तरीके से प्रशिक्षित हुए थे; परमेश्वर ने उन्हें दुसरे तरीके में बदल दिया। और वह पूरी तरह से एक कैदी बन गए थे, ताकि वे उस तरह से कार्य को न करें, जिस तरह से वह कार्य करना चाहते थे, लेकिन उस तरह से कार्य करें, जो परमेश्वर उन्हें कार्य को करवाना चाहता था। वो कल, आज, और युगानुयग एक सा है।

166 क्या हमारे पास इसे करने के लिए दस मिनट और है? [भाई नेविल कहते हैं, "आमीन।"—सम्पा।]

167 मैं जल्दी से एक और पात्र को लुंगा। अब मैं अपने सामने एक और को देखता हूं। जिसका नाम यूसुफ था। वह एक चुना हुआ पुत्र था। वह यीशु मसीह का एक सिद्ध प्रतिरूप था। उसने एक भविष्यवक्ता करके जन्म लिया था। वह एक भविष्यवक्ता भी था। समझे? और अब वो दर्शन को देख सकता था। और जब वह छोटा लड़का ही था, उसने खुद को एक सिंहासन पर बैठे हुआ देखा, और उसके भाई लोग उसके सामने झुक रहे थे। समझे? लेकिन ध्यान देना, वह बना... उसने खुद को एक बड़ा व्यक्ति करके अनुभव किया था। समझे? वह सब...

168 लेकिन परमेश्वर ने क्या किया होगा? उसने उसी चीज को किया, जो उसने बाकी लोगों के साथ की थी। क्योंकि, मूसा एक छुड़ाने वाला था, पौलुस एक छुड़ाने वाला था, और अब यूसुफ एक छुड़ाने वाला था। उसने उसके लोगों को अकाल से बचाया।

169 परमेश्वर ने उस के साथ क्या किया होगा? उसे कैदखाने में डाल दिया, उसे सीधा कैदखाने के अंदर डाल दिया। जी हां, श्रीमान। याद रखें, वह उसके भाइयों के द्वारा बेचा गया था, एक मिस्त्रियों को। और उन्होंने उसे एक पोतीपर को बेच दिया। और पोतीपर ने उसे कुछ स्वतंत्रता को दिया, और पहली बात, आप जानते हैं जो उससे ले ली गई थी। और वो वहां कैदखाने में बैठा हुआ, रो रहा था, रो रहा था। परमेश्वर को इसे निकाल फेंकना था।

170 अब ध्यान देना। लेकिन, सारे समय में, मैं विश्वास करता हूं, वह उस कैदखाने में, उस दर्शन ने जो कहा वो उसे याद कर सकता था कि वह सिहांसन पर बैठने जा रहा था, और उसके भाई लोग उसके सामने झुकने वाले थे, क्योंकि वह जानता था उसका यह दान परमेश्वर की ओर से आया है। और वह जान गया कि यह पूरा होने जा रहा था।

171 यदि केवल इसी बात को हम अपने मन में रख सके, और परमेश्वर के वचन के अनुसार जो अंतिम दिनों में उसके पास एक कलीसिया होने जा रही है, उसके पास कुछ लोग होने जा रहे हैं। और यह चीजें जिसकी उसने प्रतिज्ञा की है, वह उन्हें करने जा रहा है। उसने कहा वह करेगा, और हम उसी समय में जी रहे हैं। हम वहां पर ही हैं। वह केवल हमें लेने का यत्न कर रहा है ताकि हम अब उसके सच्चे कैदी बने, उसके साथ बंदी हो जाये।

172 आपने उस पुराने गीत को गाते हुए सुना होगा, "और उसके बाद मैं परमेश्वर के साथ बंदी हो गया"? मैं उसके साथ बंदी होना चाहता हूं। अब, यही है, जहाँ मैंने इसके विषय में सोचा। परमेश्वर के साथ बंदी होना, और कुछ भी नहीं, और केवल आप तभी बढ़ते हैं, जब परमेश्वर आपको बढ़ने के लिए कहता है। और आप केवल तभी करते है, जब परमेश्वर इसे करने के लिए कहता है, देखो, तब आप परमेश्वर के साथ बंदी हो जाते हैं।

173 अब याद रखना, वह सोच रहा था। वह पूरी तरह से अपने आप में विफल भी हो गया था। जो कुछ भी वह जानता था, जो कुछ भी उसे समझता था, और हर एक चीज, वह पूरी तरह से विफल हो गया है। इसने काम नहीं किया। उसे एक ऐसी परिस्थिति के अंदर डाला गया, जहाँ उसकी कोई भी नही सुनेगा। वह एक कैदी था। समझे? उसे एक ऐसी परिस्थिति के अंदर डाला गया था कि अविश्वासी लोग उसका विश्वास नहीं करेंगे। क्या आप समझे कि मेरा क्या अर्थ है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] उसकी सेवकाई बेअसर हो गयी थी। लोगों ने अपने मुंह को मोड़ लिया था। कैद खाने में वे उसकी ओर ध्यान भी नहीं दे रहे थे। अब उसकी सेवकाई किस काम की है? हो सकता है, वो कैदखाने की सलाखों के पीछे खड़े होकर और उन्हें प्रचार करता होगा; वे वहां से आगे रास्ते में निकल जाते होंगे। देखा? लेकिन वह एक कैदी बन गया। और परमेश्वर ने उसे एक कैदी बनाये रखा, जब तक कि पहिया ठीक से नहीं घूमने लगा। कहा, "यहां पर मेरा व्यक्ति है।" महिमा हो! पूरी तरह विफल!

174 अत: परमेश्वर उसके कैदखाने में आ गया। जैसे पौलुस के, जैसे उनमें के उन सारे बाकी के लोगो के लिए आया, वह उसके पास आया। और उसने उसके दान का इस्तेमाल किया, जो उसने उसे दिया था ताकि उसे वहां से बाहर निकाले। यह सही बात है। उसने उसे कैदखाने से बाहर निकाला। उसने क्या किया? जैसे ही उसने उसे कैदखाने से बाहर निकाला, उसे राजा के द्वारा सामर्थ को दिया गया, उसका राजा, जिसके पास ही वो बैठा, जिसके वो नीचे था। उसे कैदखाने से बाहर निकाला गया और सामर्थ को दिया गया; यहाँ तक कि जो कुछ भी वो कहता, वो पूरा हुआ था। आमीन।

175 उसके कैदखाने में, निरंतर उसने उस बात को याद किया कि वह एक उद्देश्य के लिए जन्मा था। उसे एक राजा के पास बैठाया जाना था। और

बाकी के लोग उसके सामने घुटने टेकेंगे। उसके दर्शन ने उसे ऐसा बताया था। आमीन। लेकिन उसका दर्शन उसके सामने पूरी तरह से पूरा हो सका, वह एक राजा बन गया, उसे एक कैदी बनना था। आमीन। और बाद में उसे एक राज्य करने वाला बनना था। और जब वह उसके कैदखाने से बाहर आया और परमेश्वर के वचन का वह कैदी बन गया था, जहां पर केवल वह वही कह सकता था, जो परमेश्वर उसके मुंह में कहने के लिए डालता है, तब परमेश्वर उसमें से होकर आगे बढ़ा।

176 ध्यान देना कि मूसा के पास उसकी खुद की इच्छा से फिरौन की राजकुमारी को बांधने की सामर्थ थी। "यदि तुम इस पहाड़ से कहो 'हट जा।'" उसके पास फिरौन की राजकुमारी को बांधने की सामर्थी थी। चाहे वे डिकन हो, पुरोहित हो, या वे—वे उस राज्य के प्रतिनिधि हो या जो कुछ भी वे थे। उसने कहा, "मैं तुम्हें बांधता हूं," और वे बंध गए थे। ऐसा ही था। वह अपने खुद के शब्द के द्वारा से कर सका और उसकी खुद की इच्छा से। आमीन। परमेश्वर की महिमा हो!

ओह, मेरे पास लगभग बस तीन मिनट है, सो मैं अपने शब्दों पर बना रहूँगा।

177 अब हम देखते हैं कि वह—वह एक परमेश्वर का कैदी बन गया था, एक संसार के कैद से। से... उसी तरह से पौलुस था। उसी तरह से मूसा, उसकी खुद की सोच के एक कैद से, एक परमेश्वर का कैदी बन गया। और जब वह बाहर आया, उसके पास परमेश्वर की सामर्थ थी। और उसने पौलुस को... जब मूसा के पास खुद के विचार थे, उसने परमेश्वर को इसे समर्पित कर दिया, और इसे निकाल का फेंका दिया, वह मसीह के वचन का एक कैदी बन गया। केवल वह भी आगे बढ़ सकता था, जहां कहीं भी...

आप कहते हैं, "मसीह?"

178 "उसने मसीह के कारण निन्दित होने को मिस्र के भण्डार से बड़ा धन समझा।" इसीलिए वह एक मसीह का कैदी था, बिल्कुल वैसे ही जैसे पौलुस था।

179 याद रखना, वे सारे तीनो भविष्यवक्ता थे। समझे? और उन्हें खुद की सोच को निकाल फेंकना था, जिससे कि वह उसकी इच्छा और परमेश्वर के मार्ग के लिए एक कैदी बन जाए।

180 तब, हम याद करते हैं, अब, कि, उसके पास बांधने की सामर्थी थी उसके खुद के शब्द पर। उसके पास उसके खुद के शब्द पर खोलने की सामर्थ थी। वह कह सकता है, "मैं तुम्हें मेरे राजा के नाम में खोलता हूं।" आमीन। फिरौन ने युसूफ को उसका पुत्र बनाया।

181 मसीह, जो उसके है उसे प्रेम का कैदी बनाता है, उसका पुत्र बनाता है। और उन्हें सामर्थ को देता है, वही चीज जो उसके पास थी। संत यूहन्ना 14:12 कहता है, "वह जो मुझ पर विश्वास करता है," देखो, "जो काम मैं करता हूं, वह भी करेगा वरन इससे भी अधिक करेगा।" अब मसीह के प्रेम के कैदी जो उसके राजा के द्वारा अधिकारी बने थे, वो मसीह है। आमीन। "और मैं तुमसे सच–सच कहता हूं यदि तुम इस पहाड़ से कहो, 'हट जा,' और अपने हृदय में संदेह न करे, लेकिन विश्वास करे, जो कुछ तुमने कहा है, वह पूरा हो जाएगा और तुम्हारे पास होगा, जो तुमने कहा है। यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुम में बना रहे; यदि तुम मेरे साथ जुए में जूते हुए हो," क्योंकि वो और उसका वचन एक है। "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था। और वचन देहधारी हुआ, और हमारे बीच में रहा। वो कल आज और युगानुयग एक सा है! यदि तुम मुझ में बने रहो," ना ही *यहां* पर और *वहां* पर, "मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुम में; जो चाहे मांग लो, या जो चाहे कहो, और यह तुम्हारे लिए हो जाएगा।" उसके पास सामर्थ थी।

182 ध्यान दें, इससे पहले कि वह बाहर आए, उसे बाहर निकालकर और मुंडन किया जाना था। और कुछ बातों का उसमें से मुंडन किया जाना था, इससे पहले वह उस राजा से मिले। समझे?

183 ओह, परमेश्वर कभी–कभी उसके लोगों को इसी तरह से बाहर निकालता है, और उनकी खुद की कुछ इच्छाओ को मुंडन करता है, उन्हें यह दिखाने के लिए कि वे जो भी करना चाहते थे, वे नहीं कर सकते हैं। आप समझते हैं कि मेरा क्या अर्थ है। वे—वे इसे करने के लिए स्वतंत्र नहीं थे, जो वे करना चाहते थे। इससे पहले कि वह पूर्व सामर्थ में आ सके और मसीह के एक प्रेम के कैदी बने, उन्हें मुंडन किया जाना था, और उसके बाद आगे लाया जाना था। कभी–कभी वह उन्हें रेगिस्तान में ले जाता है, ताकि इसे करें, और उन्हें पूरी तरह से मुंडन करता है। और बाद में उन्हें वहां पर बाहर लाता है, उस एक को अभिषेक करता है, जिससे कि

उसके उद्देश्य को पूरा करे, जिसके लिए उसने उन्हें करने के लिए ठहराया है। समझे, मेरा क्या मतलब है?

भाइयों, हम अंत समय पर हैं।

184 याद रखना, सारे दूसरे समयों में, उसने ऐसा ही किया है। वो हमेशा ही एक मनुष्य को लेता था, और उसे अपना एक कैदी बनाता था, उसके खुद के लिए। उसे उसके खातिर, जो कुछ भी वह जानता था, उसे उसके सारे प्रशिक्षण, और हर एक चीज को छोडना होता था, जिससे कि वह परमेश्वर की इच्छा को जान जाए और परमेश्वर का अनुकरण करें।

185 वो एक ही समय पर अनुकरण नहीं कर सकता है, जो उस मनुष्य के पास करने के लिए होता है, और परमेश्वर के पास होता है। यह पूरी तरह से एक दुसरे के विपरीत है। आप एक ही समय पर पूरब और पश्चिम में नहीं जा सकते हैं। आप एक ही समय पर दायें और बायें नहीं जा सकते हैं। आप एक ही समय पर सही और गलत नहीं कर सकते हैं। आप मनुष्य और परमेश्वर के पीछे एक ही समय पर नहीं जा सकते हैं। नहीं, श्रीमान। या तो आपको परमेश्वर का अनुकरण करना होगा या तो मनुष्य को अनुकरण करना होगा।

186 अब, उसके बाद, यदि आप परमेश्वर का अनुकरण करते हैं और अपने आप को परमेश्वर को सौप देते हैं, तब आप उस परमेश्वर के एक कैदी बन जाते हैं, उस वचन के लिए, उसकी इच्छा के लिए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि और कोई क्या कहता है, आप इसके लिए एक—एक कैदी बन जाते हैं।

187 सुनना। हम अंत समय पर हैं। और मैं भक्ति और आदरभाव के साथ इसे कहता हूं, अंत के कुछ मिनट निकल रहे है। देखो। जो परमेश्वर, मेरे विचार से, वही करेगा और करना ही है, और इस अंतिम दिन में करेगा, उसकी कटनी के लिए एक औजार को ढूंढ निकाले। उसे एक औजार को लेना है, इस जमीन को खदेड़ने के लिए। कोई भी किसान, जब वो उसकी कटनी के लिए जाता है, और कटनी करने के लिए, उसके पास एक औजार को होता है, जिससे वो यह करता है; निश्चय ही, उसके पास कटनी करने के एक धारदार हसियाँ होता है या कुछ तो ऐसा ही, वो किसी औजार को लेता है ताकि वह अनाज को छांटे। और कटनी पक गयी है।

188 परमेश्वर, हमें अपने हाथ में ले ले। हमें अपने प्रेम से बंधा हुआ दास बना। आपके इस्तेमाल करने के लिए हमें औजार बना, ताकि इस पाप से भरे हुए, श्रापित धरती को अहसास दिलाये, कि जहाँ पर हम आज रह रहे हैं, कि यीशु मसीह कल, आज, और युगानुयग एक सा है।

189 मैं खुद, परमेश्वर, मैं एक कैदी बनु। यदि, मेरे सारे भाई लोग मुझसे मुंह मोड़ ले, यदि मेरे सारे मित्र लोग मुझ से मुंह मोड़ लेते हैं, मैं यीशु मसीह और उसके वचन का एक कैदी बनना चाहता हूं, जिससे कि मैं पवित्र आत्मा के द्वारा उसके वचन के लिए जुऐ में जुत सकूं, यह देखने के लिए कि पवित्र आत्मा परमेश्वर के वचन को प्रमाणित कर रहा है, उन्ही बातों के द्वारा जो उसने कहा कि इसे किया जाना है। मैं एक यीशु मसीह का कैदी होना चाहता हूं।

आइए हम प्रार्थना करेंगे।

190 मैं सोचता हूं, आज रात, हमारे सिर को झुके हुए हैं, यदि हमारी आकांशा जो हमारे पास है, कुछ तो और बनने की है, या हो सकता है जो कुछ भी हम सोच सकते हैं, जो हमारे खुद के स्वार्थ की बात हो, सोचता हूं यदि हम केवल इन सारी बातों को एक तरफ नहीं रख सकते।

191 मैं सोचता हूं, आज रात, यदि कुछ जवान लड़के यहां–वहां देख कर कहते हैं, "मैं यह बनुंगा, जब मैं बड़ा होऊंगा, मैं एक *फलां–फलां* चीज को करूंगा।" सोचता हूं, यदि आप परमेश्वर की इच्छा को अपने जीवन में बढते हुए देख सके, और कहे, "नहीं–नहीं। बिल्कुल नहीं। मैं—मैं... मेरी आकांशाये अब खत्म हो चुकी हैं। क्योंकि पिछले कुछ दिनों से, पवित्र आत्मा मुझसे बातें कर रहा है, मैं—मैं—मैं—मैं अपने आप को परमेश्वर को समर्पित करना चाहता हूं, इस अंतिम दिन पर, एक कटाई का औजार बनने के लिए।"

192 कुछ जवान लड़कियां, जिनके पास एक सभ्य महिला का चरित्र हो सकता है, या—या हो सकता है वो छोटी सुंदर पत्नी बने, या हो सकता है किसी दिन हॉलीवुड में व्यवसाय को करे, मैं—मैं सोचता हूँ यदि आप अभी नहीं चाहती है कि आप अपनी आकांशा को परमेश्वर की उपस्थिति और उसके वचन को समर्पित करे, अपने खुद के जीवन के अंदर परमेश्वर की पुकार को सुने। परमेश्वर जानता है, आप कौन हैं।

193 मैं सोचता हूं, यदि वहां पर एक नजदीकी सेवक होता, या एक दास, कलीसिया में कहीं तो एक कार्यरत होता। मैं केवल कभी तो एक बार यहां पर आता हूँ। मैं—मै नहीं जानता यहाँ पर आज रात एक तिहाई लोग बैठे हुए हैं, लेकिन मैं... यह थोड़े से लोगो का झुंड जो यहां पर है। मैं सोचता हूं, यदि उनमें से कोई एक ऐसा व्यक्ति हो, जो यह कहना चाहेगा, "मैं परवाह नहीं करता कि कोई क्या कहता है । मैं अब परमेश्वर का बंधुवा हूं। मैं—मैं—मैं इसके बावजूद उसके वचन को प्रचार करूंगा। मैं परवाह नहीं करता जो भी हो, मेरी संस्था मुझे बाहर निकाल दें, मैं फिर भी उस वचन के साथ बना रहूंगा। मैं—इसे करूँगा। मेरी इच्छा परमेश्वर की इच्छा है। परमेश्वर की इच्छा मेरी इच्छा है। मैं यीशु मसीह का एक कैदी बनूंगा। उसके अनुग्रह और सहायता के द्वारा, मैं इसे करूंगा।"

194 इस पर सोचें, जब हमने अपने सिरो को झुकाया हुआ है। कितने लोगों के पास आज रात वो आकांशा है? क्या अपने हाथों को ऊपर उठायेंगे? मेरे भी हाथ उठे हुए है। मैं सब कुछ समर्पित करता हूं। हमारे सिरों को झुकाने के साथ, धीरे से, अब जैसे आप इसके ऊपर सोच रहे हैं, जैसे आप प्रार्थना कर रहे है।

मैं सब कुछ समर्पित करता हूं,
मैं सब कुछ समर्पित करता हूं,
सब कुछ तुझे, मेरे धन्य उद्धारकर्ता
मैं सब कुछ समर्पित करता हूं।

मैं समर्पित...

195 क्या आपका सचमुच ऐसा अर्थ है? "मैं एक कैदी होना चाहता हूं।

मैं...

प्रभु, मुझे ले ले। मुझे आज रात कुम्भार के घर ले चल। मुझे पूरी तरह से तोड़ दे और मुझे पूरी तरह फिर से आकार दे... ? ... "

... तुझे, मेरे धन्य उद्धारकर्ता
मैं सब कुछ समर्पित करता हूं।

196 स्वर्गीय पिता, जैसे हम निरंतर इस गीत को बजा रहे हैं, मैंने सोचा इस समय पर यह सबसे फलदायक बात होगी, कि मैं—मैं इस गीत के अंदर घुसकर कुछ क्षणों के लिए आपसे बात करूं। जैसे लोग सोच रहे हैं, "मैं

सब कुछ समर्पित करता हूं," पिता, होने पाये हम ऐसा करें, जैसे कि इसे करने का हमारा आखरी मौका हो। आइए हम ईमानदारी के साथ आये, प्रभु की मेज पर, जैसे यह थी, धुले हुए वस्त्र, धुले हुए प्राण, धुली हुई इच्छायें, धुली हुई आकांशाये, ताकि खुद को समर्पित करें।

197 और परमेश्वर उसके वचन को ले ले, हमें इसके साथ जुए में जोतते हुए, परमेश्वर का जो वचन है। और होने पाए पवित्र आत्मा अब हमें ले ले, जैसे हम हमारे हृदय के चारों ओर उस जुए के साथ जुतने की आवाज़ को सुनते है, "आज की रात के बाद, मैं आपको आपके वचन पर लेता हूं। अब अपने खुद के विचारो को मत सोचना। मेरे विचार को सोचना। मेरी इच्छा को सोचना। मैं तुम्हें अगुवाई करूंगा।" परमेश्वर प्रदान करें कि हम में से हर एक के पास एक अनुभव हो।

198 ये जवान लोग, जो यहां पर बैठे हुए हैं, पति और पत्नी; और कुछ पति या पत्नी होने जा रहे हैं। बुजुर्ग व्यक्ति यहां पर बैठे हुए हैं, वे सेवक लोग, जो साथ–साथ रास्ते पर रहे हैं। और, प्रभु यहां पर भाई नेविल हैं, मैं, सीढ़ी पर से ऊपर की ओर जा रहे है। अब हमारे दिन गिनती में थोड़े हैं। हमें हमारे कदमों को और अधिक ध्यान पूर्वक रखना है, हम जो कदमो को रखते आये है, उससे अधिक। हम ध्यान दे कि हम कहां पर कदम रखते हैं। जिससे कि हम ना गिरे, शारीरिक बात कर रहा हूँ, जैसे हम एक समय थे। लेकिन, प्रभु जैसे हम देखते हैं कि हमारा मरणहार जीवन धुंधला होता जा रहा है, और आप हमारे हाथों को नहीं थामते है तो हमारा कोई भी क़दम निश्चित नहीं हो सकता है।

199 अब, परमेश्वर, आप हमें ले लें, क्या आप लेंगे? हमारे हृदयो को और और हमारी इच्छाओं को अपने हाथ में ले लीजिये, और आज रात वचन के लिए, मसीह के लिए हम एक कैदी बने। होने पाए ये स्त्रियां, और ये नौजवान स्त्रियां, और ये नौजवान पुरुष, लड़के और लड़कियां उनके जीवन को समर्पित करें, प्रभु। और होने पाए उनकी आकांशा, यीशु मसीह की सेवा करने की आकांशा बन जाये। और हम उसके दैविक अनुग्रह और इच्छा के एक कैदी बने। इसे प्रदान करें, प्रभु।

200 यही वह सब है जिसे मैं करने के लिए जानता हूं, प्रभु। यह कुछ टूटे–फूटे शब्द है, और मैं—मै भरोसा करता हूं कि आप इन्हें सही रीति से जोड़ करेंगे। क्योंकि यहां पर गर्मी है और लोग सुनना चाहते हैं, लेकिन यहां पर

बहुत ही गर्म है। और बहुत से लोगो को घर जाना हैं और जल्दी काम पर जाना हैं। लेकिन होने पाए केवल वे बीज उनके हृदय के अंदर चले जाये, "एक कैदी।"

201 घर जाकर और अपनी पत्नी से कहें, जैसे वे... आगे से, वे तैयार हो जाये कि जाकर और प्रार्थना करें, आज की दोपहर, आज की शाम, सोते समय और एक दूसरे को देखते हुए कहे, "प्रिय, आज रात के बारे में क्या है? क्या सचमुच हम मसीह के और उसकी इच्छा के एक कैदी बनना चाहते हैं या—या हम अपनी खुद की इच्छा के द्वारा कार्य करना चाहते हैं? "

202 होने पाए वे जवान पुरुष और जवान महिलाये, जो हर कहीं पर हैं, विशेष करके, जिन्होंने आज रात संदेश को सुना है, अपने आप से उसी सवाल को पूछे, "क्या मैं सचमुच एक कैदी बनना चाहता हूं, अपने खुद के जीवन को त्यागते हुए? "

203 "वह जो उसके जीवन को बचाता है वह उसे खोएगा, लेकिन जो उसके जीवन को मेरे कारण खोता है, वह उसे पाएगा।" पिता, हम जानते हैं, ऐसा ही है; आपका एक कैदी बनने के लिए, अपने खुद की आकांशाओ को, अपनी खुद की इच्छाओं को खोना होगा, ताकि आपको इच्छाओं को जाने, तब हमारे पास अनंत जीवन होगा। इसे प्रदान करें, प्रभु।

204 केवल एक ही चीज मैं जानता हूं कि अपने आप को आपके हाथों में समर्पित करना है। और होने पाए यह फलो से भरा हुआ जीवन बने और महान—महान औजारो को अंतिम दिनों की कटनी के लिए लेकर आये, स्त्री और पुरुष, लड़के और लड़कियां, पूरी तरह से परमेश्वर की इच्छा को समर्पित कर दें, और यीशु मसीह के, उसके प्रेम के लिए कैदी बने, मसीह के दैविक प्रेम के जंजीरों में जकड जाये। हम इसे उसके नाम से मांगते हैं।

मैं सब समर्पित करता हूं,

आइए, खड़े हो जाये।

मैं सब कुछ समर्पित करता हूं
सब कुछ तुझको, मेरे... ? ...

205 आइए, इसे फिर से कहेंगे, अपनी आंखों को बंद करते हुए और अपने हाथों को ऊपर उठाते हुए।

मैं सब कुछ समर्पित करता हूं,
मैं सब कुछ समर्पित करता हूं,
सब कुछ तुझे, मेरे धन्य उद्धारकर्ता
मैं सब समर्पित करता हूं।

206 अब, यदि हम अपने सिर को झुकाते है और इससे पहले समाप्ती के गीत को गायेगे, *अपने साथ यीशु का नाम लेकर जाये,* मैं—मैं इस भाई से यहां पर कहता हूं... मैं उसका नाम भूल गया। वो बहन जिसने अपने ऊपर आते हुए एक अंधकार के दर्शन के बारे में बताया था, जिसने चंगाई पाई थी। और याद होगा, वो पीछे की ओर देख रही थी, वह पर्दा हट गया था। उसके विश्वास ने ऐसा किया। आप सभा को प्रार्थना से समाप्त करें, क्या आप करेंगे, भाई? और परमेश्वर से हम पर आशीषो के लिए मांगे।

***एक कैदी*** HIN63-0717

(A Prisoner)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में बुधवार शाम, 17 जुलाई, 1963 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया, जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

## कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:



वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org